दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

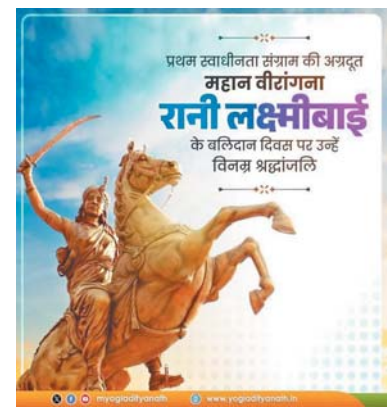

वर्ष 54/ अंक 305/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 18 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

कनाडा से पीएम नरेंद्र मोदी क्रोएशिया पहुंचे

नई दिल्ली/कनाडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद अपने सफल दौरे का समापन कर अब क्रोएशिया पहुंच गए है। इस यात्रा को भारत की वैश्विक कूटनीति के लिहाज़ से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के काननास्किस शहर में हुए इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेतृत्व के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आर्थिक असमानता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल समावेशन, और शांति-सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों पर भारत का पक्ष रखा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सम्मेलन वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने का एक बेहतरीन अवसर है। भारत अपनी भूमिका को जिम्मेदारी के साथ निभाता रहेगा। जी 7 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज, और ब्रिटेन के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टारमर सहित अन्य नेताओं से महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ताएं भी की। अब प्रधानमंत्री मोदी क्रोएशिया की ऐतिहासिक यात्रा पर हैं, जो किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया पहला पूर्ण राजकीय दौरा है।

पीएम ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से की बात और साफ शब्दों में कहा

भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न कभी करेगा: मोदी

नई दिल्ली। कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मलेन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका लौटे डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात की है। दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई है। इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर पर बात हुई। पीएम मोदी ने साफ किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पड़ोसी मुल्क के आह्वान के बाद दोनों देशों की आपसी सहमति से ही हुआ। इसमें किसी की भी मध्यस्थता नहीं थी और न ही किसी ट्रेड डील पर बात हुई थी। बातचीत ऐसे वक्त हुई है, जब पीएम मोदी जी7 में हिस्सा लेने के बाद कनाडा से क्रोएशिया रवाना हुए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात तय थी। राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण यह मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर आज दोनों

नेताओं ने फोन पर बात की। उन्होंने करीब 35 मिनट तक बात की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर संवेदना जताई थी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन भी जताया था। उसके बाद यह पहली बार था, जब वे बात कर रहे थे। इसलिए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर राष्ट्रपति ट्रंप से विस्तार से बात की।

सैन्य कार्रवाई रोकने के बात भारत और पाक की सेनाओं के बीच हुई- विक्रम मिस्री ने बताया,प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से साफ-साफ कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने के बात सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच मौजूद चैनल के जरिए हुई थी। पाकिस्तान के आग्रह के बाद ही यह बातचीत हुई थी।

ट्रंप से बोले मोदी- भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है

विक्रम मिस्री ने बताया, पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक एकमत है। ट्रंप ने पीएम मोदी की ओर से बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद को अब प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि युद्ध के रूप में ही देखता है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

सांध्यप्रकाश विशेष

तीन हजार का वार्षिक पास लॉन्च किया 15 अगस्त से होगा प्रभावी: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, हम 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश कर रहे हैं, जो 15 अगस्त से प्रभावी होगा। यह एक्टिव होने की तारीख से एक साल या 200 यात्राओं तक के लिए वैध रहेगा। सक्रिय होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा, में से जो भी पहले होगा, तब तक यह मान्य होगा। यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है। गडकरी ने एक्स पर लिखा यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने लिखा, वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और एनएचएआई-एमओआरटीएच की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी। उन्होंने लिखा, यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाजाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रहें कन्सर्न्स को अधोरेखित करेगी और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यह भी लिखा, प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, वार्षिक पास नीति लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।

टोल टैक्स को लेकर 3 दिन में ऐसी घोषणा करूंगा कि लोग खुश हो जाएंगे: गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में टोल टैक्स को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अगले तीन दिन में टोल टैक्स को लेकर बड़ी घोषणा करने की बात कही है। गडकरी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस घोषणा के बाद टोल टैक्स को लेकर उठने वाले सवाल समाप्त हो जाएंगे और जनता को इस फैसले से खुशी मिलेगी। एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से जब टोल टैक्स में कटौती के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं अगले तीन दिन में एक ऐसी घोषणा करूंगा कि टोल टैक्स से संबंधित कोई भी सवाल नहीं उठेगा, और लोग खुश हो जाएंगे। इस बयान ने कई लोगों के बीच अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं कि गडकरी टोल गेट को समाप्त करने की घोषणा कर सकते हैं, जो पहले भी अप्रैल 2025 में उनका इशारा था। यदि यह घोषणा की जाती है, तो इससे राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगने वाले जाम और टोल वसूली की मनमानी पर रोक लग सकती है, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

रिटायर्ड अग्निवीरों की मेंटरशिप करेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने रिटायर्ड अग्निवीरों के भविष्य को और बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय को रिटायर्ड अग्निवीरों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस जिम्मेदारी में अग्निवीरों के प्रगति को आंकने और उनके लिए रोजगार और अन्य अवसरों को सुनिश्चित करने को कहा गया है। इस संबंध में एक ऑफिसियल नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस कदम के तहत गृह मंत्रालय के राज्य विभाग में एक नया क्लोज जोड़ा गया है। इसमें रिटायर्ड अग्निवीरों की प्रगति को दर्ज किया जाएगा। इसके तहत, रिटायर्ड अग्निवीरों को रोजगार, ट्रेनिंग, और अन्य अवसरों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार, भारत सरकार ने कार्य-आवंटन नियम, 1961 में संशोधन किया है। इस संशोधन को भारत सरकार कार्य-आवंटन (381वें संशोधन) नियम, 2025 के नाम से पहचाना जाएगा। इस संशोधन के तहत गृह मंत्रालय के राज्य विभाग में एक नया क्लोज जोड़ा गया है। इसके अंतर्गत रिटायर्ड अग्निवीरों की प्रगति को दर्ज किया जाएगा। उन्हें रोजगार, कौशल विकास और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद गृह मंत्रालय रिटायर्ड अग्निवीरों के लिए रोजगार, कौशल विकास और अन्य योजनाओं में अहम भूमिका निभाएगा। रिटायर्ड अग्निवीरों को सिविल सेवाओं, निजी क्षेत्र और सरकारी योजनाओं में रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

बाली की उड़ान पर ज्वालामुखी का साया, एयर इंडिया फ्लाइट को वापस दिल्ली लाए

नई दिल्ली। दिल्ली से इंडोनेशिया के बाली के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2145 को उड़ान के दौरान ही राष्ट्रीय राजधानी वापस लौटने का निर्देश दिया गया। इसका कारण इंडोनेशिया के माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी ज्वालामुखी में हुआ भीषण विस्फोट बताया जा रहा है। जैसे ही राख का गुबार विमानन मार्ग में खतरा बनता दिखा, फ्लाइट को सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली लौटने की सलाह दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट के दिल्ली लौटने के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतारा गया। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए एयरलाइन ने खेद जताया है और होटल में ठहरने, टिकट में बदलाव या रिफंड के विकल्प देने की बात कही है। इससे पहले सोमवार को बाली से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2146 को दिल्ली में खराब मौसम की वजह से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया था। विमान को मंगलवार रात वाराणसी से दिल्ली रवाना किया गया। पूर्वी इंडोनेशिया के नुसा तेंगारा प्रांत में स्थित सक्रिय ज्वालामुखी माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी में मंगलवार शाम को जबरदस्त विस्फोट हुआ। इससे उठी राख की चादर लगभग 10,000 मीटर (32,800 फीट) तक आसमान में फैल गई, जिससे हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

सुनील कुमार झा को एफएस सीडी एंड एचजी का डीजी नियुक्त किया

नई दिल्ली। आईपीएस सीआरपी के विशेष महानिदेशक सुनील कुमार झा को एफएस सीडी एंड एचजी का डीजी नियुक्त किया गया है। भारतीय पुलिस सेवा में 1993 बैच के एफएस सीडी एंड एचजी का डीजी अधिकारी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के विशेष

महानिदेशक (स्पेशल डीजी) सुनील कुमार झा को 31 जनवरी 2027 को उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक के लिए अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षा (एफएस सीडी एंड एचजी) का महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किया गया है । वे एसके झा, विवेक श्रीवास्तव (आईपीएस1989) का स्थान लेंगे।

भोपाल में 'ग्रामीण रंग, पर्यटन संग' उत्सव

सीएम ने किया कलेक्टर-सरपंचों का सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने और पर्यटन के जरिए स्वरोजगार एवं आर्थिक उन्नति के द्वार खोलने के मकसद से भोपाल में आज ग्रामीण रंग, पर्यटन संग उत्सव मनाया जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्जवलित कर सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस राज्य स्तरीय उत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर डॉ. यादव ने कलेक्टर और सरपंचों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, पिछड़ा वर्ग राज्यमंत्री कृष्णा गौर, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला व नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी मंच पर मौजूद हैं।

कलेक्टर, सरपंच और होमस्टे संचालकों का सम्मान- कार्यक्रम में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वश्रेष्ठ 6 होम स्टे (3 ग्रामीण, 3 नगरीय) में ग्रांड नर्मदा होमस्टे उमरिया के शरद दीक्षित, सुरवाही सोशल ईको स्टेट बालाघाट के अंकित रस्तोगी, बुंदेली कोठी टीकमगढ़ की साक्षी सिंह को विशेष पुरस्कार दिए। बेस्ट होमस्टे तृतीय पुरस्कार गिरिजा बाई खारी सीहोर, दूसरा स्थान कमला होमस्टे राधापुर निवाड़ी कमला कुशवाहा, प्रथम पुरस्कार महुआ होमस्टे लाड़पुरा निवाड़ी कमला शर्मा को पुरस्कार दिया गया।

पर्यटन विकास में योगदान देने वाले 16 पर्यटन गांवों के सरपंचों, 8 परियोजना सहयोगी संस्थाओं और 10 जिला कलेक्टर आगर-मालवा राघवेंद्र सिंह, छतरपुर पार्थ जायसवाल, छिंदवाड़ा शीलेंद्र सिंह, नर्मदापुरम सोतिया मीणा, मुरैना अंकित अस्थाना, निवाड़ी लोकेश कुमार जांगिड़, पन्ना सुरेश कुमार, रीवा प्रतिभा पाल, सीहोर बालागुरू के और सीधी एस सोमवंशी का सम्मान किया गया।

ये चार एमओयू होंगे

पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) और सिग्नीफाय इनोवेशन इंडिया लिमिटेड के राकेश सिंह ने एमओयू साइन किया। 61 गांवों में सोलर लाइट एवं एलईडी लगाई जाएंगी। दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट (पतंजलि) के राजेश सक्सेना ने एमओयू साइन किया। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के शितेष सिन्हा, डॉ. विजय सिंह और ग्रामीण होमस्टे को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सशक्त बनाने और उन्हें ओटीए प्लेटफॉर्म्स पर जोड़ने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन डॉ. टी इलैया राजा ने एमओयू साइन किया।

एक दिवसीय प्रदर्शनी भी लगेगी

उत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं ने आर्ट एंड क्राफ्ट के उत्कृष्ट उत्पादों जैसे क्लेआर्ट, माड़ना, चितेरा, बैम्बू शिल्प, हैंड ब्लॉक, गोंड पेंटिंग, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट टैक्सटाइल्स आदि का प्रदर्शन किया। यह एक दिवसीय प्रदर्शनी आमजन के लिए दोपहर 2 बजे तक खुली रहेगी।

फिर टली एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग, नई तारीख का ऐलान

नई दिल्ली। नासा और इसरो के एक्सिओम-4 मिशन को लॉन्च करने की तारीफ एक बार फिर से पोस्टपोन कर दी गई है। यह मिशन

19 जून को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होने वाला था। मगर अब इसे 22 जून को लॉन्च किया जाएगा।

हाल ही में आइएसएस के ज्वेज्दा सेवा मॉड्यूल के पिछले हिस्से में मरम्मत का काम चल रहा था। ऐसे में नासा स्पेस स्टेशन का अच्छी तरह से मूल्यांकन करने के बाद ही एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च करेंगा।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई ने जंग का ऐलान किया

इजराइल पर पहली बार फतह मिसाइल से हमला; ईरान में मौत का आंकड़ा 600 के करीब पहुंचा

तेहरान/तेल अवीव। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने मंगलवार देर रात इजराइल के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा- जंग शुरू होती है। हम आतंकी इजराइल को कड़ा जवाब देंगे। उन पर कोई दया नहीं दिखाएंगे। इस ऐलान के बाद ईरान ने इजराइल पर 25 मिसाइलें दागीं।

ईरानी मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, ईरान की सैन्य शाखा आईआरजीसी (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) ने कहा कि

बुधवार सुबह इजराइल पर फतह मिसाइल किया गया है। यह पहली बार है जब इस जंग में फतह-1 का इस्तेमाल किया गया है।

फतह मिसाइल हाइपरसोनिक है, यानी यह आवाज की गति से पांच गुना तेज उड़ती है। ने कहा कि फतह मिसाइलों ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को भेद दिया और बार-बार उनके सुरक्षित ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि इससे इजराइल को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी कोई सूचना नहीं है। इस बीच वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमनराइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 585 हो चुका है। जबकि 1,326 लोग घायल हुए हैं। ईरान की सरकार ने अब तक मौतों की पूरी जानकारी साझा नहीं की है।

कॉल डिटेल्स से खुला राज

संजय वर्मा जिसे सोनम ने 25 दिन में 119 बार किया कॉल?

भोपाल। इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस को एक नया अहम सुराग हाथ लगा है। जांच के दौरान सोनम रघुवंशी और संजय वर्मा नामक व्यक्ति के बीच हुई लंबी बातचीत ने इस केस को नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 1 मार्च से 25 मार्च के बीच सोनम रघुवंशी और संजय वर्मा के बीच कुल 119 कॉल्स हुए। इन कॉल्स की अवधि केवल कुछ मिनटों की नहीं थी, बल्कि कई बार लंबी बातचीत दर्ज की गई। बार-बार और गहराई से हुई बातचीत ने अधिकारियों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दोनों के बीच कोई साधारण रिश्ता नहीं था।

सीडीआर से हुआ खुलासा- फोन कॉल्स की कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) में बार-बार एक ही नंबर सामने आने पर पुलिस ने उसे गंभीरता से लिया। अब एक विशेष टीम इस संजय वर्मा की पृष्ठभूमि को खंगालने में जुटी है। टीम यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या संजय का कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है या वह इस हत्याकांड में किसी तरह से संलिप्त रहा है।

क्या यह हत्या एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी?

अगर जांच में संजय वर्मा की किसी भी रूप में इस केस में भूमिका सामने आती है, तो यह केस और भी उलझ सकता है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या वह हत्या की योजना में किसी स्तर पर शामिल था या उसे इस वारदात की जानकारी पहले से थी।

क्या है सोनम-संजय का रिश्ता दोस्ती, प्रेम या साजिश?

जांच अब इस दिशा में आगे बढ़ रही है कि सोनम और संजय वर्मा के बीच संबंध किस प्रकार का था। क्या वे महज परिचित थे? क्या दोनों के बीच प्रेम संबंध था? या फिर संजय हत्या की योजना से जुड़ा कोई किरदार है? पुलिस इस एंगल को पूरी गंभीरता से जांच रही है।

पुरानी यादें ...

यह तस्वीर एक मिट्टी के चूल्हे की है, जिसमें रोटियाँ सेंकी जा रही हैं। यह सिर्फ एक खाना पकाने का दृश्य नहीं है, बल्कि उन भावनाओं और यादों की थाली है, जो हमें हमारे बचपन, दादी-नानी के घर, और गांव की सादगी से जोड़ती है।

एक मिट्टी के चूल्हे की गर्माहट

बचपन की वो सुनहरी सुबहें जब सूरज की पहली किरण के साथ ही घर आंगन में चूल्हे की आग जल उठती थी। मिट्टी का वो चूल्हा, जो केवल रोटियाँ नहीं सेंकता था, बल्कि उसमें बसी होती थी परिवार की गर्माहट, अपनापन और सादगी। दादी अपने कांपते हाथों से बेलती थीं मोटी-मोटी रोटियाँ। उनके हाथों की रोटियों में स्वाद नहीं, प्रेम होता था। जलती लकड़ियों की महक, धीमी आंच पर सिकी रोटी की खुशबू ङ्क ये सब किसी पुराने गीत की तरह मन में बस जाते थे।

एक तवा, एक हांडी और ढेर सारी बातें। खाना बनाना एक कला नहीं, एक रिवाज था। उस समय किसी ने स्वाद को नापा नहीं था, बस जी भर कर खाया और सराहा था। कोई रोटी से मक्खन छीलता था, तो कोई जलती रोटी को ही अपना खज़ाना मानता था। आज जब गैस स्टोव, माइक्रोवेव और फास्ट फूड की दुनिया में जी रहे हैं, तो वो चूल्हा, वो धुआं और वो मिट्टी की दीवारें अक्सर याद आती हैं।

भावनाएँ जो कभी बुझती नहीं

यह चूल्हा अब शायद केवल तस्वीरों में रह गया है, लेकिन इसके साथ जुड़ी स्मृतियाँ आज भी ज़िंदा हैं। यह सिर्फ रोटियों का नहीं, रिश्तों का स्वाद था। वह स्वाद, जो किसी होटल के व्यंजन में नहीं, बल्कि मां के हाथ की रोटी में छुपा होता है।

आपराधिक मामलों में फंसे पुलिसकर्मियों को थानों से हटाएं, पीएचक्यू ने दिए सभी जिला इकाइयों को निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, हिंसा जैसे आरोपों में फंसे पुलिसकर्मी अब थानों और क्राइम ब्रांच में नहीं रहेंगे। थानों और क्राइम ब्रांच पुलिस मुख्यालय ने इंदौर/भोपाल आयुक्त समेत सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से इसका पालन प्रतिवेदन मांगा है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) भोपाल ने प्रदेशभर के पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि आपराधिक प्रकरणों एवं विभागीय जांच में संलिप्त पुलिसकर्मियों को थानों, क्राइम ब्रांच या अधिकारियों के कार्यालयों में किसी भी प्रकार की तैनाती न दी जाए। यह निर्देश पूर्व में 15 अक्टूबर 2014 को जारी किए गए परिपत्र के पालन में जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक उनकी अनदेखी की जा रही थी।

नहीं चलेगी लापरवाही

विशेष महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार के हस्ताक्षर से जारी पत्र में कहा गया है कि यह देखा गया है कि कुछ इकाइयों द्वारा इन निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए एक बार फिर यह स्पष्ट किया गया है कि जिन पुलिसकर्मियों पर आपराधिक प्रकरण (दुर्घटना को छोड़कर) लंबित हैं, या जिन पर भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, शारीरिक हिंसा, अवैध निरोध जैसे गंभीर आरोपों में विभागीय जांच लंबित है, उन्हें किसी थाने, क्राइम ब्रांच या वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय में ड्यूटी पर नहीं लगाया जाएगा।

सभी इकाइयों से मांगा प्रतिवेदन

पुलिस मुख्यालय ने सभी इकाइयों से यह भी कहा है कि वे अपनी इकाई में तैनात ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करें और इसका पालन प्रतिवेदन सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कार्मिक) को ईमेल पर तत्काल भेजें। पीएचक्यू ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पुलिस विभाग की साख, पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

अंतरराष्ट्रीय पिकनिक दिवस

हर वर्ष 18 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय पिकनिक दिवस केवल बाहरी आनंद और सामाजिक मेलजोल का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक यात्रा भी है, जो हमें प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव और आत्मिक शांति की अनुभूति कराता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, यह दिन हमें सृष्टि की सुंदरता में डूबने, अपने भीतर की शांति को खोजने और जीवन के मूल सत्य के करीब आने का निमंत्रण देता है।

प्रकृति ईश्वर की एक जीवंत रचना है, जो हमें निःस्वार्थ प्रेम, संतुलन और सामंजस्य का पाठ पढ़ाती है। जब हम पिकनिक के लिए हरे-भरे मैदानों, बहती नदियों या शांत पहाड़ों की ओर बढ़ते हैं, तो हम वास्तव में उस परम सत्ता के करीब जाते हैं, जो इस सृष्टि का संचालक है। पेड़ों की सरसराहट, पक्षियों का कलरव और हवा का कोमल स्पर्श हमें मन की उथल-पुथल से मुक्त कर, ध्यान और चिंतन की अवस्था में ले जाता है। यह वह क्षण है जब हम अपने अंतर्मन की आवाज सुन सकते हैं और आत्मा के साथ संनाद स्थापित कर सकते हैं।

कहने का तात्पर्य है कि अंतरराष्ट्रीय पिकनिक दिवस हमें याद दिलाता है कि सच्ची खुशी और शांति बाहरी सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि प्रकृति और अपनों के साथ बिताए साधारण पलों में छिपी है। यह दिन हमें आत्मिक जागरूकता की ओर ले जाता है, जहां हम प्रकृति के साथ एक होकर जीवन की गहनता को अनुभव करते हैं। तो, इस 18 जून को, प्रकृति की गोद में कदम रखें, अपने मन को शांत करें और उस अनंत सत्ता के साथ जुड़ें जो हर पल हमें प्रेम और शांति का संदेश देती है।

हिंदू वाहिनी संघ का स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। हिंदू वाहिनी संघ का स्थापना दिवस कार्यक्रम भोपाल में श्री राधा कृष्ण मैरिज गार्डन दानिश कुंज रोहित नगर कोलार रोड पे संपन्न हुआ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेशों से आए प्पदाधिकारी सम्मिलित हुए मध्य प्रदेश हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष केशव तिवारी ने मीडिया को बताया कि आज हिंदू वहिनी संघ का स्थापना दिवस का कार्यक्रम भोपाल में मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू राखी जी संस्थापक विपिन जी सहित कई प्रदेशों के पदाधिकारी शामिल हुए कार्यक्रम मैं मुख्य रूप से उपस्थित हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नेपाल सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष केशव तिवारी युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ सचिन चौहान प्रदेश महासचिव सुरेंद्र कुमार मालवीय जिला उपाध्यक्ष मुकेश साहू जिला उपाध्यक्ष गौ रक्षा प्रकोष्ठ हिंदू जुगल किशोर जिला महामंत्री बीएस मीणा श्रीमती नमिता देशवाली, कोमल मीणा सहित बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे प्रदेशमहामंत्री सुरेंद्र कुमार मालवीय ने मीडिया को बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ता सम्मेलन था जो की सफल हुआ सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी ने उत्साह पूर्वक अपने-अपने संबोधन दिए।

दिव्या द्विवेदी की अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संयुक्त संघर्ष मोर्चा मंडी बोर्ड के पद पर नियुक्त

भोपाल। संयुक्त संघर्ष मोर्चा, मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड, भोपाल मध्यप्रदेश के संयोजक बी0बी0 फौजदार के द्वारा सुश्री दिव्या द्विवेदी, सहायक उपनिरीक्षक, मंडी बोर्ड, मुख्यालय, भोपाल को 9 जून से अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के पद पर नियुक्ति दी गई है। दिव्या द्विवेदी की नियुक्ति पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड, भोपाल के प्रातांध्यक्ष अंगिरा पाण्डे, संतोष दीक्षित, रामवीर किरार, नैनसिंह सोलंकी, अध्यक्ष व वीरेन्द्र कुमार नरवरिया, मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड, कर्मचारी संध के पूर्व सचिव संदीप कुमार चौबे, मंडी बोर्ड क्रीडा समिति के पूर्व सचिव संजीव अग्निहोत्री सहित मंडी बोर्ड के अधिकारी / कर्मचारी राजेन्द्र झारिया, सालिक फारूखी, दीपक गोयल, नीलेश पंथी, राहूल देवहरे, संजय बाथम, दिनकरराव गजभिये और कुंदा बाकोड़कर, श्रीमति कमला मुवेल एवं सुनीता माडण्वे ने बधाई व शुभकामनायें दी । इस अवसर पर बड़ी संख्या में मंडी बोर्ड के अधिकारी व कर्मचारियों ने सुश्री दिव्या द्विवेदी की नियुक्ति पर उनका हार व पुष्प मालाओं से स्वागत कर बधाई दी।

भोपाल। भारत भवन में जबलपुर के रामकृपाल नामदेव के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रमोशन नीति की मंजूरी से नई भर्ती के दरवाजे भी खुलेंगे: सबनानी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की कैबिनेट में कर्मचारियों के हितों के लिए गये फैसले का स्वागत किया। सबनानी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए फैसले से कर्मचारियों के हितों का विस्तार होगा। प्रमोशन नीति की मंजूरी से कर्मचारियों की पदोन्नति तो होगी ही साथ ही रिक्त पदों पर नई भर्ती के दरवाजे भी खुलेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदा ही कर्मचारियों के हितों की रक्षा करती आई है, और सदा ही कर्मचारियों के हितों के लिए उनके साथ खड़ी रही है, आज डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसले से कर्मचारियों के साथ ही उनके परिवार के लिए भी खुशियों के द्वार खोल दिए हैं, प्रदेश के कर्मचारी भी जन कल्याणकारी सरकार की नीतियों में सदा ही अपनी सरकार के साथ है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई में 173 आवेदनों पर हुई सुनवाई

छतरपुर। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 173 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया एवं समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए।

सड़क पर तलवार लहराने वाला गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल। शहर के तलैया थाना क्षेत्र में लोगों को सरेराह तलवार दिखाकर डराने और गाली-गलौज करने वाले आरोपी शोएब कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह तलवार लहराते हुए नजर आया था। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया और क्षेत्र में उसका जुलूस भी निकाला। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान 35 वर्षीय शोएब कुरैशी पिता सलीम कुरैशी, निवासी पंचायती मस्जिद के पास, तलैया के रूप में हुई है। शोएब पर पहले से भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वह तलवार लहराकर क्षेत्र के लोगों को धमका रहा था और समुदाय विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक बातें भी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को तलैया थाना क्षेत्र से ही पकड़ लिया, जहां वह छिपा हुआ था। गिरफ्तारी के बाद उसे बुधवारा इलाके में उसी स्थान पर ले जाया गया जहां वह तलवार लहराकर दहशत फैला रहा था। पुलिस ने वहां उसका जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान आरोपी बार-बार कहता दिखा, ÷अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है।÷ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग करने, हथियार लहराने और आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग को लेकर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है।

विहिप बजरंग दल का अभ्यास वर्ग हुआ संपन्न, लव जिहाद रोकने का संकल्प लिया

संत हिरदाराम नगर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपना दो दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न किया। संत हिरदाराम जिले का यह अभ्यास वर्ग हलालपुर ईडन गार्डन में संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस अभ्यास वर्ग में उद्घाटन में प्रांत मंत्री राजेश जैन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही सत्रों के क्रमानुसार प्रांत के विजय जैन, जितेंद्र चौहान, प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह चौहान, राकेश श्रीवासत्व, विभाग मंत्री, जीवन शर्मा एवं अभिजीत सिंह राजपूत एवं समापन सत्र में प्रांत के मार्गदर्शक पीतांबर राजदेव का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। जीतू कटारिया ने बताया कि इस अभ्यास वर्ग में सभी कार्यकर्ताओं ने लव जिहाद और धर्मांतरण एवं गौतस्करी की घटनाओं को रोकने का संकल्प लिया।

जनसंपर्क विभाग में 11 अधिकारियों के तबादले, जेडी राजाराम पटेल इंदौर से भोपाल, मिलेगी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भोपाल। राज्य के जनसंपर्क विभाग द्वारा 11 अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए गए हैं। संभागीय कार्यालय इंदौर के संयुक्त संचालक (जेडी) राजाराम पटेल इंदौर से भोपाल स्थानांतरित किए गए हैं। माना जा रहा है कि उन्हें भोपाल में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। अन्य अधिकारी जिनका तबादला हुआ है, वे हैं पुष्पेंद्र वास्कले सहायक संचालक बालाघाट से इंदौर, राहुल वासनिक नरसिंहपुर से मंडला, कमल किशोर मरावी मंडला से नरसिंहपुर, हिमांशी बजाज छतरपुर से राजगढ़, आशीष कोटांगले भोपाल से छतरपुर, सुरेंद्र तिवारी राजगढ़ से हरदा, बृजेंद्र शर्मा हरदा से खंडवा, जकिया रूही मध्य प्रदेश सूचना केंद्र नई दिल्ली से खरगोन, अनिल पटले खरगोन से बालाघाट और जूही श्रीवास्तव खंडवा से मुख्यालय भोपाल किया गया है।

न्यू मार्केट व्यापारी संघ के चुनाव के लिए अधिकारी नियुक्त

भोपाल। राजधानी भोपाल के सर्वाधिक प्रतिष्ठित बाजार न्यू मार्केट मैं सदस्य संख्या के हिसाब से व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन ÷न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति÷ जिसका विधिवत रजिस्ट्रेशन दो माह पूर्व

जागरूक व्यापारियों द्वारा करवाया गया था, नवगठित समिति के प्रथम पंचवर्षीय कार्यकाल 2025 से 2030 के लिए पदाधिकारी चयन चुनाव हेतु आज संस्थापक सदस्यों द्वारा चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की गई।

समिति के सदस्य एवं व्यापारी श्री रंजीत माझी जी को मुख्य चुनाव अधिकारी एवं श्री रमेश गनवानी जी को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। संस्थापक समिति द्वारा बीते एक माह तक लगातार सदस्यता अभियान चलाया गया था, जिसमें न्यू मार्केट के 605 व्यापारियों द्वारा विधिवत सदस्यता ग्रहण की गयी उत्साहित व्यापारियों द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव अधिकारी को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया । लोकतंत्र के इस आयोजन में उत्सव के रूप में सहभागिता हेतु संस्थापक सदस्यों सहित बड़ी संख्या में न्यू मार्केट के व्यापारी बन्धु भी उपस्थित रहे।

खनिज विभाग में व्यापक तबादले, पट्टा उमरिया ,फरहत दमोह, आशालता यथावत

शहडोल। तबादलों के सीजन में एक के बाद एक सभी विभागों के तबादलों के आदेश राजधानी से जारी हो रहे हैं, इसी क्रम में खनिज विभाग में भी व्यापक तबादले किए गए हैं, प्रदेश के अंतिम छोर अनूपपुर से लेकर शहडोल, उमरिया, कटनी तक के जिलों में पदस्थ खनिज निरीक्षकों और प्रभारी खनिज अधिकारियों के तबादले के आदेश खनिज विभाग ने जारी किए हैं । अनूपपुर

जिले में पदस्थ खनिज अधिकारी श्रीमती आशालता वैद्य का सीधी तबादला करने के बाद उनका तबादला निरस्त करते हुए उन्हें यथावत अनूपपुर जिले की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं शहडोल जिले में खनिज निरीक्षक प्रभात पट्टा को शहडोल से उमरिया भेज दिया गया है और उनके स्थान पर नई खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले यहां की व्यवस्थाएं देखेंगे। उमरिया जिले की खनिज अधिकारी फरहत जहां का भी तबादला दमोह भेज दिया गया है ।

पेट्रीकार में नाबालिग से ज्यादती करने वाले को 10 साल की सजा और जुर्माना

भोपाल। ट्रेन में खाना देने का झांसा देकर पेट्रीकार में नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सतनाम सिंह को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए 10 साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला मंगलवार को तेरहवें अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) की अदालत ने सुनाया। इस प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक त्रिभुवन प्रसाद गौतम, सरला कहार एवं लक्ष्मी कसाव ने पक्ष रखा।19 जुलाई 2022 को नाबालिग बालिका ने जीआरपी भुसावल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह 18 जुलाई को झेलम एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 11078) से यात्रा कर रही थी। ट्रेन भोपाल स्टेशन पर रुकी तो वह पानी भरने के लिए नीचे उतरी। भूख लगने पर जब उसके पास पैसे नहीं थे, तो खाना नहीं ले सकी। ट्रेन चलने के कुछ देर बाद वह एसी कोच के पास एक सीट पर बैठी थी, तभी एक युवक आया और उसे खाना देने का झांसा देकर पेट्रीकार में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की। मामला पहले भुसावल जीआरपी में जीरो पर दर्ज हुआ, फिर विवेचना स्थल अनुसार इसे जीआरपी हबीबगंज स्थानांतरित कर दिया गया। यहां मामला दर्ज किया गया।

11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून को

भपाल। राज्य शासन द्वारा 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को आयोजित करने के संबंध मे समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये है। जारी आदेश में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए जिले की समस्त संस्थाओं को प्रेरित किया जायेगा, सभी कार्यक्रम आयोजकों को अपना पंजीयन कराना होगा। इसका पंजीयन लिंक https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर होगा। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों मुख्यालय एवं समस्त वार्डो में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कराया जायेगा। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के लिए जिले में पंतजलि योग संस्थान, श्रीरामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद, म.प्र. योग आयोग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं से संबद्ध योग इन्स्ट्रक्टर/योगा वालेंटियर उपलब्ध है जिनकी सूची पृथक से आयुष विभाग द्वारा प्रदाय की जायेगी।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल अभियान के राज्य स्तरीय शिविर में शामिल हुए

जनजाति सशक्तिकरण का धरती आबा अभियान ऐतिहासिक कदम: राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के नागरिकों का कल्याण, सशक्तिकरण और विकास करना है। सरकार का यह प्रयास है कि जनजातीय समुदाय के जो नागरिक अभी तक सरकार की सेवाओं, सुविधाओं और योजनाओं से वंचित रह गए हैं, उन्हें लाभान्वित किया जाएं। उनकी देश के विकास में सहभागिता को सशक्त नागरिक के रूप में सुनिश्चित किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल धरती आबा अभियान के तहत सीहोर जिले के ग्राम झोलियापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शिविर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार के 18 मंत्रालय समन्वित रूप से अभियान का संचालन कर

रहे हैं। सभी जरूरतमंद नागरिकों के लिए पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, एनआरएलएम सहित अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यह अभियान तभी सार्थक होगा, जब हम सभी मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। हम सभी का यह दायित्व है कि हम उन सभी जनजातीय समुदाय के नागरिकों को अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में जाकर योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें और उनकी सहायता करें। उन्होंने कहा कि धरती आबा अभियान के तहत जनजातीय समुदाय के नागरिकों को दिए गए लाभ की मॉनिटरिंग भी की जा रही है और जल्द ही वे इसका अवलोकन करने पुनः सीहोर आएंगे। राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य स्तरीय शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। धरती आबा अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर विधायक श्री रमाकांत भार्गव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रारंभ में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने धरती आबा अभियान के तहत जिले में संचालित गतिविधियों एवं क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने आभार व्यक्त किया।

सौरभ शर्मा ने 52 किलो सोना प्रीतम से खरीदा था

लोकायुक्त छापे के समय दुबई से फोन कर कार ड्राइवर से हटवाई

भोपाल। भोपाल समेत पूरे मध्य प्रदेश को हिलाकर रख देने वाले परिवहन विभाग के रिटायर्ड कांस्टेबल सौरभ शर्मा हाईकोर्ट से जमानत लेने की कोशिश में लगा है।सौरभ को लोकायुक्त केस में जमानत मिल चुकी है, लेकिन ईडी द्वारा दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग केस के कारण वे अभी भी जेल में है। इसी बीच, ईडी की 814 पन्नों की जांच रिपोर्ट सामने आई है। इसमें इस दुनिया की सबसे महंगी करीब 52 करोड़की एमपी 07 बीए 0050 इनोवा कार (इसमें 11.61 करोड़ नकद और करीब 52 किलो सोना था जो 40.27 करोड़ रुपए का आंका गया था) का राज भी खुला है।

कहां मिली थी यह कार- यह कार एमपी 07 बीए 0050 इनोवा लोकायुक्त छापे में नजर नहीं आई और जब आयकर विभाग ने छापा मारा तो यह कार मेंडोरा के जंगल में एक प्लॉट पर खड़ी मिली। प्लॉट कमलेश अरोरा पति किशन अरोरा के नाम पर है। इस कार को खोला गया तो इसमें 11.61 करोड़ 83 हजार 500 रुपए मिले और 40 करोड़ 27 लाख की कीमत का 51.893 किलो सोना मिला।

ईडी ने बताया यह सोना सौरभ ने किससे खरीदा- ईडी की जांच रिपोर्ट में यह पुख्ता किया गया है कि यह कार और इसमें रखी नगदी और सोना दोनों ही सौरभ शर्मा के थे। शर्मा के स्कूल मित्र और इस केस में आरोपी चेतन सिंह गौर ने बताया कि- यह इनोवा कार मेरे द्वारा खरीदी गई थी लेकिन इसका उपयोग सौरभ शर्मा द्वारा किया जाता था। यह सोना भी सौरभ का ही है। प्रीतम नाम का व्यक्ति उनके आवास 7/657 पर आता रहता था और सोना दे जाता था। बाद में सौरभ आकर यह सोना ले जाता था।

लोकायुक्त से बचकर सोना और कैश लदी कार कैसे निकली

जब 19 दिसंबर को सौरभ शर्मा के आवास पर छापेमारी हुई तो फिर यह कार कहां कैसे बच गई। इस पर उसके रिश्तेदार विनय हसवानी ने ईडी को बताया कि- 19 दिसंबर की दोपहर 2.15 बजे सौरभ शर्मा के ड्राइवर प्यारेलाल केवट का फोन आया। बताया गया कि दोपहर 2.15 बजे सौरभ का फोन आया और कहा कि वह वाहन सुरक्षित जगह पार्क करने के लिए आपसे संपर्क करे। क्योंकि वह अभी बाहर है और भारत वापस आने पर वाहन ले लेगा। इस पर विनय ने प्यारेलाल को एनआईएलयू कैंपस बुलाया लेकिन उसने कहा कि वह यह जगह नहीं जानता है। फिर वह दोपहर में ढाई बजे भोपाल के रोहित नगर बवरियां कला में मिले। हसवानी अमेज कार एमपी 07 सीडी 1191 में था और प्यारेलाल ने इनोवा कार से उसे फॉलो किया। इसके बाद बरखेड़ी कला भोपाल में कमलेश आरोरा पति किशन अरोरा के प्लॉट पर रख दी। यह प्लॉट विनय और किशन ने 24 लाख में पार्टनरशिप में खरीदा था।

104 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच, 150 करोड़ का दुबई में विला

ईडी की जांच रिपोर्ट के अनुसार, सौरभ शर्मा ने जब कांस्टेबल की नौकरी से रिटायरमेंट लिया, तब उसका वेतन केवल 28 हजार रुपए प्रति माह था। उसने अनसिक्योर्ड लोन के जरिए अपने दोस्त, परिजनों के नाम पर जमकर ब्लैक मनी को कंपनियों में शिफ्ट किया और फिर चल-अचल अकूत अचल संपत्तियां खरीदी। इसमें से प्रारंभिक तौर पर 108 करोड़ की संपत्तियां ईडी ने अटैच की हैं। दुबई में भी उसका 150 करोड़ का विला होने की बात सामने आई है।

ईडी ने 108.25 करोड़ की ये संपत्ति अटैच की है

आयकर विभाग द्वारा जब्त हुए गोल्ड, कैश के साथ अन्य प्रॉपर्टी - 92.07 करोड़ की

बैंक खातों की राशि- 8.52 करोड़ रुपए

लोकायुक्त द्वारा सीज की गई संपत्ति इसमें चेतन सिंह गौर के आवास से 1.68 करोड़ 70 हजार रुपए कैश और 2.10 करोड़ की चांदी भी थी। साथ ही सौरभ के आवास से 1.14 करोड़ कैश, 50.37 लाख की ज्वेलरी व 2.21 करोड़ की अन्य कीमती सामग्री- 7.65 करोड़

मेट्रो का दूसरे फेज, पुल बोगदा पर बेरिकैडिंग कर ट्रैफिक किया डायवर्ट

भोपाल। भोपाल के पुल बोगदा का रास्ता बुधवार सुबह पूरी तरह से बंद कर दिया गया। मेट्रो कॉर्पोरेशन ने यहां बेरिकैडिंग की है। अब वाहन दूसरे रास्तों से ही गुजरेंगे। हालांकि 20 दिन पहले ही रास्ते को वन-वे कर दिया गया था, लेकिन अब कोई भी वाहन इधर से उधर नहीं आ-जा सकेंगे। सुभाषनगर से करोंद तक मेट्रो की ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज का काम चल रहा है। पुल बोगदा के पास ही पिलर्स

बनेंगे। इस काम के चलते ही ट्रैफिक को डायवर्ट करना पड़ा है। ऐसे में पुल बोगदा होकर भारत टॉकीज और जिंसी की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

ये मार्ग प्रतिबंधित - प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए भारत टॉकीज की ओर, प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए जिंसी धर्म कांटा, मैदा मिल की ओर पैदल और दोपहिया गाड़ियां भी यहां से नहीं गुजर सकेंगी।

यहां से जाएं लोग- भारी, मध्यम और बस जैसे बड़े वाहन अब प्रभात चौराहा से भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर जाने के लिए परिहार चौराहा (अशोका गार्डन), 80 फीट रोड, स्टेशन बजरिया तिराहा और भारत टॉकीज ओवरब्रिज होते हुए संगम टॉकीज तिराहा से गुजरेंगे। भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 से प्रभात चौराहा लौटने वाले वाहन संगम टॉकीज तिराहा, भारत टॉकीज ओवरब्रिज, स्टेशन बजरिया तिराहा, 80 फीट रोड और परिहार चौराहा से होकर प्रभात चौराहा पहुंचेंगे। हल्के वाहन भी यही से गुजर सकेंगे।

प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन 20 जून को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पशु पालन राज्य मंत्री पटेल होंगे शामिल

भोपाल। प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन का आयोजन 20 जून शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से मुख्यमंत्री निवास प्रांगण भोपाल में किया जायेगा। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रदेश के समस्त जिलों से शासकीय एवं अशासकीय गौ-शाला संचालकों एवं प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव ने बताया कि सम्मेलन में गौ-शालाओं में गौवंश के व्यवस्थापन के लिए लगभग 50 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की जाएगी। आचार्य विद्यासागर जीव दया गौ-सेवा सम्मान योजना के अंतर्गत चयनित गौ-शालाओं एवं संस्थाओं को गौ-सेवा पुरूस्कार प्रदान किए जायेंगे। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा। सम्मेलन में नवीन गौ-शालाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र तथा म.प्र.गौ-संवर्धन बोर्ड एवं दयोदय महासंघ के सहयोग से हितग्राहियों को ट्रेक्टर ट्राली वितरण भी किया जाएगा। ÷पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम÷ विषय पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी होगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से ट्रिवीट्रॉन हेल्थकेयर के प्रतिनिधि मंडल ने की सौजन्य भेंट

नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की दिशा में नई पहल की संभावनाओं पर हुआ विमर्श

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार हर संभव नवाचार और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहन दे रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ भारत के विजन को मूर्त रूप देने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी स्तरों पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से मंत्रालय, भोपाल में ट्रिवीट्रॉन हेल्थकेयर के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की।

प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश में नवजात शिशुओं में कंजेनिटल मेटाबॉलिक डिसऑर्डर की पहचान और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए न्यू बॉर्न स्क्रीनिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव

प्रस्तुत किया। इस प्रयोगशाला की स्थापना से जन्म के कुछ दिनों के भीतर ही शिशुओं में गंभीर आनुवांशिक विकारों की पहचान की जा सकेगी, जिससे समय रहते उपचार संभव हो सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐसे नवाचार अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जनहितैषी तकनीकों को प्राथमिकता देती है। इस प्रस्ताव पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक परीक्षण उपरांत सकारात्मक विचार किया जाएगा।

प्रतिनिधियों ने बताया कि स्क्रीनिंग लैब में चार प्रमुख आनुवांशिक विकारों कंजेनिटल हाइपोथायरोडिज्म, कंजेनिटल एड्रेनल हाइपरप्लेशिया, ग्लूकोज-6-फास्फेट डीहाइड्रोजनेज डेफिशियेंसी और गैलेक्टोजीमिया की पहचान की जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रिवीट्रॉन हेल्थकेयर द्वारा यह सेवा केरल में पहले से ही प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने विश्व के अन्य देशों में इस तकनीक के सफल प्रयोगों और परिणामों की जानकारी भी साझा की। इसके साथ ही कंपनी द्वारा संचालित मोबाइल टेस्टिंग वैन सेवाओं की जानकारी दी। इसमें मैमोग्राफी और सिकल सेल स्क्रीनिंग की सुविधाएँ हैं। यह सेवा वर्तमान में तमिलनाडु में कंपनी द्वारा प्रदान की जा रही हैं।

90 डिग्री एंगल वाले ब्रिज की फिर से बनाई जाएगी डिजाइन, तोड़ा नहीं जाएगा

भोपाल। ऐशबाग क्षेत्र में बना 90 डिग्री एंगल वाला रेलवे ओवर ब्रिज रिडिजाइन होगा। पीडब्ल्यूडी अफसरों ने बताया कि रेलवे के साथ मिलकर ब्रिज को रिडिजाइन करेंगे। इस बारे में बात हो गई है। ब्रिज के टर्निंग को लेकर यह ब्रिज पूरे देश में सुर्खियों में बना हुआ है। इसकी डिजाइन सोशल मीडिया पर भी जमकर ट्रोल हो रही है और इसके मीम्स भी बन रहे हैं। हालांकि यह ब्रिज टूटेगा नहीं सिर्फ इसकी टर्निंग सही होगी, ताकि गुजरने वाली गाड़ियों को गिरने का खतरा न रहे। इसके अलावा ब्रिज की डिजाइन तैयार करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) से जांच करवाई थी। एनएचएआई ने ब्रिज को लेकर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाने

का सुझाव दिया गया है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है।

बता दें, राजधानी में बना यह रेलवे ओवर ब्रिज इन दिनों अपनी अनोखी डिजाइन के कारण सुर्खियों में है। लोग सोशल मीडिया पर इसके मीम्स बना रहे हैं। इस ब्रिज पर 90 डिग्री के एंगल से मोड़ दिया गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यहां वाहन कैसे टर्न लेंगे। वाहनों के या तो ब्रिज की दीवारों से या फिर आपस में टकराने का खतरा बना रहेगा। इस बारे में मैनिट के ट्रैफिक एक्सपर्ट डॉ. सिद्धार्थ रोकड़े ने कहा कि यदि जगह की कमी के कारण एंगल कम दिया जाए तो गाड़ियों की स्पीड पर नियंत्रण जरूरी है। यहां सिर्फ साइन बोर्ड लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि यहां स्पीड कम करने के तरीके अपनाने होंगे। यदि यह नहीं किए गए तो गाड़ी नीचे गिर सकती है।

मई 2022 में शुरू हुआ निर्माण 18 माह में पूरा करना था

इस ब्रिज का निर्माण मई 2022 में शुरू हुआ था और इसे 18 महीने में पूरा करना था, लेकिन अब तक पूरी तरह से नहीं बन सका है। इसकी लागत 18 करोड़ रुपए है। 648 मीटर लंबे और 8 मीटर की चौड़ाई वाले ब्रिज का 70 मीटर हिस्सा रेलवे का है। ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन आरओबी पर 90 डिग्री के मोड़ को लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक यहां 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाई जा सकेगी। मोड़ पर तो गाड़ी की स्पीड 30 किमी प्रति घंटा करना पड़ेगी। इसके लिए स्पीड कम करने के उपाय करना होंगे।

संपादकीय

तेल महंगा होगा तो भारत की जीडीपी पर 1.5 फीसदी तक का प्रभाव पड़ेगा

भारत ईरान से सबसे अधिक मात्रा में कच्चा तेल और गैस आयात करता है। दुनिया के जिन देशों में तेल और गैस की आपूर्ति की जाती है, करीब 20 फीसदी आपूर्ति ईरान ही करता है। यदि कच्चे तेल की कीमत 1 डॉलर प्रति बैरल बढ़ती है, तो भारत का आयात बिल 14,000 करोड़ रुपए बढ़ जाता है। इजराइल-ईरान युद्ध भड़कने से तेल की कीमतें करीब 7 फीसदी बढ़ चुकी हैं। निवेशक और तेल कंपनियां चिंतित हैं कि यह युद्ध कब तक चलेगा? समग्र तौर पर देखें, तो बीते कुछ सप्ताह के दौरान कच्चा तेल औसतन 10 डॉलर महंगा हुआ है। इसमें अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की 'टैरिफ नीति' का भी योगदान है। अमरीका अपने व्यापारिक साझेदारों को भी नहीं छोड़ता। बहरहाल तेल महंगा होता जाता है, तो कमोबेश भारत की जीडीपी पर 1.5 फीसदी तक का प्रभाव पड़ सकता है। अभी जो मुद्रास्फीति नियंत्रण में लग रही है, वह भी निश्चित रूप से बढ़ेगी। रुपया और भी कमजोर होगा। योजनाओं के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। होर्मुज के बंद होने से अतिरिक्त वक्त के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेगा, लिहाजा युद्ध किसी भी देश के लिए फायदेमंद स्थिति नहीं है। ईरान और ओमान के बीच एक संकरा-सा जलमार्ग है-होर्मुज जलडमरूमध्य। भारत करीब दो-तिहाई कच्चा तेल और करीब 50 फीसदी प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से आयात करता है। भारत अपनी 80 फीसदी से अधिक ऊर्जा-जरूरतों के लिए आयात पर ही निर्भर है, लिहाजा यहां कोई भी व्यवधान तेल की कीमतों, शिपिंग लागत और बीमा बढ़ने का कारण बनेगा। भारत का पश्चिमी देशों को करीब 30 फीसदी निर्यात इसी रास्ते से किया जाता है। भारत का ईरान के साथ कारोबार 14,246 करोड़ रुपए और इजराइल के साथ 27,608 करोड़ रुपए का है। 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का माल निर्यात किया था और 44.19 करोड़ रुपए का आयात किया। इजराइल को 2.15 अरब डॉलर का निर्यात और 1.61 अरब डॉलर का आयात किया। ईरान इस जलमार्ग को बंद करने की धमकी पहले भी दे चुका है और अब तो युद्ध के हालात हैं। होर्मुज से ही दुनिया के तेल-परिवहन का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान 33 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का उत्पादन करता है। यदि बाजार से यह सप्लाई भी हटा ली जाए अथवा युद्ध के कारण ऐसा करना पड़े, तो ओपेक अपने उत्पादन में कोई कटौती किए बिना ही 22 लाख बैरल रोजाना की क्षतिपूर्ति कर सकता है। मौजूदा हालात में विशेषज्ञों के आकलन हैं कि तेल की कीमतें 100 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं। यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के खिलाफ एक मजबूत लहर की स्थिति होगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपनी हालिया रपटों में खुलासा किया है कि वैश्विक तेल की मांग घट सकती है, क्योंकि युद्ध के तनाव दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर डालेंगे। बहरहाल बुनियादी चिंताएं और सरोकार होर्मुज को बंद करने के मद्देनजर हैं। इन कीमतों का स्थानीय पेट्रोल पंपों पर कितना असर पड़ेगा, यह सरकार के फैसले पर है, क्योंकि कच्चा तेल सस्ता हुआ था, तो स्थानीय ग्राहकों को रियायत नहीं दी गई थी।

विश्व मगरमच्छ दिवस

मगरमच्छ शक्ति, समृद्धि, और भाग्य का प्रतीक

योग गुरु महेश अग्रवाल

मगरमच्छ से हमें जीवन की कई महत्वपूर्ण शिक्षाएं मिलती हैं, जैसे कि धैर्य, शक्ति, अनुकूलन, सुरक्षा, और जीवन की प्राकृतिकता।

जलचर प्राणी मगरमच्छ के गुणों को अपने जीवन में अपनाकर, हम अपने जीवन को अधिक संतुलित और सफल बना सकते हैं।

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को सेवा कार्यो के लिए हमेशा प्रेरित किया जाता है एवं योग आसन प्राणायाम के अभ्यास से कैसे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हम आजीवन स्वस्थ रहते हैं इसका अभ्यास करवाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि हर वर्ष 17 जून को विश्व मगरमच्छ दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विशेष रूप से मगरमच्छों और उनके जैसे अन्य सरीसृपों जैसे घड़ियाल और एलिगेटर की संरक्षा, संरक्षण और जागरूकता के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मगरमच्छों की घटती संख्या, अवैध शिकार और उनके आवास नष्ट होने के ख़िलाफ़ वैश्विक चेतना फैलाना है। मध्यप्रदेश के चंबल अभयारण्य में विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल पाए जाते हैं।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि मगरमच्छ से हमें जीवन की कई महत्वपूर्ण शिक्षाएं मिलती हैं - मगरमच्छ अपने शिकार की प्रतीक्षा में घंटों तक स्थिर रह सकता है, जो धैर्य और प्रतीक्षा के महत्व को दर्शाता है। मगरमच्छ अपनी शक्तिशाली जबड़ों और दृढ़ता के लिए जाना जाता है, जो जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक हैं। मगरमच्छ पानी और जमीन दोनों में रह सकता है, जो अनुकूलन और लचीलेपन के महत्व को दर्शाता है। मगरमच्छ अपने अंडों और बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जाना जाता है, जो परिवार और समुदाय की देखभाल के महत्व को दर्शाता है। मगरमच्छ प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जीवन की प्राकृतिकता और संतुलन के महत्व को दर्शाता है।

मकरासन (मगरमच्छ मुद्रा) आराम देने वाले आसन शारीरिक या मानसिक थकान दूर करने और एकाग्रता में सहायक। छाती को ज़मीन पर टिकाकर लेट जाएँ और पैरों को फैलाकर सिर को बाजुओं में पकड़ लें। शरीर की अग्नि को सक्रिय करने वाले इस आसन को मकरासन कहते हैं। ऋषि घेरंड कहते हैं कि छाती धरती को छूनी चाहिए और, पैरों को अलग रखना चाहिए। आजकल मकरासन का अभ्यास आम तौर पर पैरों को एक साथ रखकर या थोड़ा अलग करके और छाती को ऊपर उठाकर किया जाता है। पेट के बल लेट जाएँ। सिर और कंधों को ऊपर उठाएँ और ठोड़ी को हाथों की हथेलियों पर टिकाएँ, कोहनियाँ ज़मीन पर टिकाएँ। रीढ़ की हड्डी को ज़्यादा उभारने के लिए कोहनियों को एक साथ रखें। गर्दन पर ज़्यादा दबाव से राहत पाने के लिए कोहनियों को थोड़ा अलग करें। मकरासन में दो बिंदुओं पर असर महसूस होता है- गर्दन और पीठ के निचले हिस्से पर। अगर कोहनियाँ बहुत आगे की ओर होंगी, तो गर्दन में तनाव महसूस होगा। अगर उन्हें छाती के बहुत पास खींचा जाएगा, तो पीठ के निचले हिस्से में ज़्यादा तनाव महसूस होगा। कोहनियों की स्थिति को इस तरह से समायोजित करें कि ये दोनों बिंदु समान रूप से संतुलित हों। पूरे शरीर को आराम दें और आँखें बंद कर लें। सांस प्राकृतिक और लयबद्ध लेते रहना है। इस आसन का अभ्यास जब तक संभव हो, तब तक किया जा सकता है। जागरूकता- पीठ के निचले हिस्से पर ध्यान केंद्रित करते हुए सांसों की गिनती करें। पीठ या रीढ़ की हड्डी की शिकायत वाले लोग सांस लेते समय रीढ़ की हड्डी से गर्दन तक और सांस छोड़ते समय जागरूकता को ऊपर ले जाने का अभ्यास कर सकते हैं। कल्पना करें कि सांस रीढ़ की हड्डी के ऊपर और नीचे जा रही है, जैसे कांच की नली में पारा हो।

लाभ- मकरासन छाती और फेफड़ों को फैलाता है। अस्थमा के रोगियों और फेफड़ों की अन्य बीमारियों वाले लोगों को सांस के प्रति सजगता के साथ नियमित रूप से इस सरल आसन का अभ्यास करना चाहिए क्योंकि यह फेफड़ों में अधिक हवा प्रवेश करने देता है, और गले से जमा कफ या बलगम को साफ करने में मदद करता है। यह आसन स्लिप्ड डिस्क, साइटिका और कुछ प्रकार के पीठ के निचले हिस्से के दर्द से पीड़ित लोगों के लिए बहुत प्रभावी है। उन्हें इस आसन में लंबे समय तक रहना चाहिए क्योंकि यह कशेरुक स्तंभ (रीढ़)को अपने सामान्य आकार को फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है और रीढ़ की हड्डी की नसों के संपीड़न (दबाब)से राहत देता है। पूरे शरीर को शिथिल करने में लाभदायक है। पीठ संबंधी समस्याओं को दूर करने में उपयोगी है। तनाव व चिंता से संबंधित समस्याओं के नियंत्रण में लाभदायक है।

गतिमय मकरासन - मकरासन से अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए हम इसे थोड़ा गतिमय बनाते हुए अभ्यास कर सकते हैं। स्थिति एक पहले मकरासन की स्थिति में पहुँचे। अब धीरे-धीरे सिर को बाईं तरफ घुमाते हुए, अपने बाएँ पैर की एड़ी व पंजे को देखें, थोड़ा रुकें फिर वापस मूल स्थिति में आएँ। इसी प्रकार दाईं तरफ़ भी देखें। मूल अवस्था में वापस आएँ। यह 1 चक्र हुआ। इस प्रकार 10 चक्र पूरे करें। श्वास प्रक्रिया सामान्य रखें। स्थिति दो सबसे पहले मकरासन की स्थिति में पहुँचें। अब उसी स्थिति में रहते हुए धीरे-धीरे कुहनियों को आगे की तरफ़ सरकाना है। जैसे-जैसे कुहनियाँ आगे सरकेंगी वैसे-वैसे गर्दन के निचले हिस्से में हल्का तनाव उत्पन्न होगा। यथाशक्ति रुकें। और धीरे-धीरे वापस मूल अवस्था में आएं। अब धीरे-धीरे कुहनियों को छाती के क़रीब लाएँ और वापस मूल अवस्था में आएँ। यह 1 चक्र हुआ। इसी प्रकार 5 से 10 चक्र पूरे करें। स्थिति तीन मकरासन की स्थिति में रहें। कम से कम 10 बार दोहराएं। सर्वाइकल प्रॉब्लम, स्लिपडिस्क, स्पॉण्डिलाइटिस में अत्यधिक लाभ। गर्दन की सामान्य बीमारियों में लाभ। स्फूर्ति, ताज़गी एवं ऊर्जा प्राप्त होती है। कमर दर्द, मेरुदण्ड वाले रोगियों को लाभ। अस्थमा/फुफ्फुस रोग से पीड़ित व्यक्ति भी लाभान्वित होता है। सर्वांगासन, हलासन एवं विपरीतकरणी मुद्रा के बाद यह आसन अवश्य करें।

मकर नाम से एक हस्त मुद्रा है जिसे मकर मुद्रा या मगरमच्छ मुद्रा कहा जाता है। यह एक संयुक्त हस्त मुद्रा है, जिसमें एक हाथ को दूसरे के ऊपर रखा जाता है, दोनों हथेलियाँ ऊपर की ओर होती हैं। फिर निचले हाथ का अंगूठा ऊपरी हाथ की छोटी और अनामिका उंगलियों के बीच से गुजरता है, जबकि ऊपरी अंगूठा और अनामिका उंगलियाँ स्पर्श करती हैं। यह मुद्रा विपरीतताओं के मिलन का प्रतीक है। मकर मुद्रा का अभ्यास शरीर के भीतर ऊर्जा को निर्देशित करने, संग्रहीत भावनाओं को मुक्त करने और शरीर को ऊर्जावान बनाने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी के पास स्थित स्वाधिष्ठान चक्र को उत्तेजित करने के लिए भी माना जाता है। आँखों के नीचे के काले घेरों की समाप्ति हेतु लाभप्रद, पृथ्वी मुद्रा के सभी लाभ इस मुद्रा से प्राप्त होते हैं, जैसे- कमजोरी दूर होती हैं, रक्ताल्पता मिटती है तथा शक्ति, स्फूर्ति, उमंग और उत्साह बढ़ता है।

मकर राशि का ज्योतिषीय महत्व है। मकर राशि पृथ्वी तत्व से संबंधित होने के कारण, यह राशि स्थिरता, व्यावहारिकता और जमीनी हकीकत पर ध्यान केंद्रित करने का प्रतिनिधित्व करती है। मकर राशि के जातक महत्वाकांक्षी और दृढ़ निश्चयी होते हैं। वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ काम करते हैं। मकर राशि का स्वामी ग्रह शनि, अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक है। मकर राशि के जातक अपने काम के प्रति बहुत समर्पित और जिम्मेदार होते हैं। मकर राशि के जातक अच्छे टीम लीडर और आयोजक होते हैं। वे अपने काम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिम्मेदारी की भावना रखते हैं और ईमानदारी से काम करते हैं। मकर राशि के जातक सुरक्षा और स्थिरता की तलाश में रहते हैं।

आखिर क्या कारण रहा कि हमारे महाज्ञानी ऋषि-मुनियों ने ये नाम उनसे जोड़े। यहाँ यह तर्क बड़े सरल ढंग से किया जा सकता है कि जब हम उस आसन की अंतिम स्थिति में पहुँचते हैं तो वह आसन उसके स्वरूप में वैसा ही दिखता है जैसा आसन का नाम है। जैसे कुर्मासन, जब हम यह आसन लगाते हैं तो यह आसन कछुआ के समान ही दिखाई पड़ता है और साधक को उसके प्रति लगाव भी उत्पन्न करना रहा है। इसके पीछे और भी तर्क दिए जा सकते हैं। वह निराकार रूप ही उसका सबसे महान रूप है। वैसे यहाँ तर्क यह भी है कि ईश्वर ने प्रत्येक प्राणी को एक न एक गुण विशेष रूप से प्रदान किया है, यहाँ तक कि पेड़-पौधे तक में कोई न कोई गुण विशेष रहता है। चूँकि मनुष्य अपने अंदर अधिक से अधिक गुण समाहित करना चाहता है, अतः उसका उद्देश्य आसन से वह प्राप्त करना है एवं उस आसन से जो उसके लाभ हैं वह भी प्राप्त करना चाहता है। एक कारण और तार्किक है कि हमें वे आचार्य प्रकृति से निकटस्थ करना चाहते हैं ताकि प्रकृति के गुणों को भी आत्मसात् कर सकें।

संस्कारों पर दीर्घकालीन काम करना होगा

सरयूसुत मिश्रा

जब भवन का कोई हिस्सा टूटता है तो फिर उसे निर्मित किया जाता है. उसका इंटीरियर किया जाता है. फिर से उसको पूरे भवन के ओरिजिनल स्वरूप के साथ मिलाने का प्रयास किया जाता है. राजनीतिक दलों के प्रशिक्षण भी सत्ता का इंटीरियर कहे जा सकते हैं..!!

जब ऐसा लगने लगता हैकि, सत्ता की राजनीतिक दिशा भटक रही है. बड़बोलापन बढ़ रहा है. पर्सनैलिटी पार्टी पर भारी पड़ रही है, तब राजनीति में पीएचडी होल्डर सांसदों और विधायकों को प्रशिक्षण की बात शुरू होती है. इसका कितना असर होता है, यह तो आए दिन देखने को मिलता है.

पचमढ़ी में आयोजित भाजपा का तीन दिवसीय शिविर एक सकारात्मक प्रयास है, लेकिन यह कोई पहला नहीं है. पार्टी द्वारा लगभग हर साल ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं. फिर भी बड़बोलेपन के कारण पार्टी को थोड़ा नुकसान उठाना पड़ता है. ऑपरेशन सिंदूर पर मंत्री विजय शाह की बयानबाजी ने मजबूत राष्ट्रवाद पर बीजेपी को रक्षात्मक रुख अपनाने के लिए मजबूर किया है.

उनके वक्तव्य को विपक्ष ने जितना उपयोग किया है, उतना शायद पहले कभी नहीं हुआ होगा. राजनीति की इसे मजबूरी ही कहा जाएगा कि, विजय शाह के खिलाफ कोई भी अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं की जा सकी. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसआईटी की जांच ज़ारी है. इस पर अंतिम निर्णय अदालत से ही आएगा.

विजय शाह इतने पुराने विधायक हैंकि उन्होंने पार्टी के नामालूम कितने शिविरों में अब तक प्रशिक्षण लिया होगा. कोई भी प्रशिक्षण उन पर कोई प्रभाव नहीं डाल पाया. हर हमेशा अपने बयान से वह कंट्रोवर्सी क्रिएट कर देते हैं. उनकी राजनीतिक ताकत सामाजिक ताकत से जुड़ी हुई है. इसीलिए उन पर कभी भी कोई कार्यवाही लंबे समय तक नहीं हो सकी.

हर बार उनको बचने का रास्ता मिल जाता है. यह एक घटना इस बात का प्रमाण है कि, प्रशिक्षण शिविर कितने प्रभावी होते हैं. जो भी सांसद विधायक है, उन्होंने राजनीति में इतना प्रैक्टिकल नॉलेज ले लिया है कि, अब उन्हें प्रशिक्षण शिविरों के ज्ञान से कोई लाभ हो सकेगा, यह संदेहास्पद है.

राजनीतिक दलों के सामने नेताओं और कार्यकर्ताओं में संवाद, संस्कार, समर्पण और सुशासन के विकास की गंभीर चुनौती है. कोई भी प्रशिक्षण शिविर केवल तात्कालिक घटनाओं पर कुछ टिप्स दे सकता है, लेकिन इससे संस्कार नहीं बदले जा सकते. राजनीति में संस्कार के लिए प्रवेश द्वार पर ही प्रशिक्षण और मानदंडों को अपनाना जरूरी है.राजनीति में करप्शन एक बड़ी समस्या बन गई है. आज किसी भी सामान्य आदमी का चुनाव लड़ना असंभव सा हो गया है. राजनीति में काला धन इतना उपयोगी हो गया है कि सामान्य व्यक्ति इसके दुष्प्रभाव के कारण प्रतिस्पर्धा में मुकाबला नहीं कर सकता. चुनाव में काले धन की जरूरत से ही करप्शन का सीधा रिश्ता है.

केवल बड़बोलापन ही समस्या नहीं है. लोगों का चरित्र और व्यक्तित्व भी समस्या बनता जा रहा है. व्यक्तित्व निर्माण केवल राजनीति की त्रासदी नहीं है बल्कि समाज में भी इस पर चिंतन बहुत जरूरी है. राजनेता कहां से निकलतें हैं? इसी समाज के अंग होते हैं. कोई भी स्वार्थ से ऊपर उठकर न सोचने को और ना ही करने को तैयार है.

कोई दल किसी राज्य में सत्ता में है तो दूसरा दल दूसरे राज्य में. सत्ता में उलट पलट भी होती है. सत्ता और विपक्ष की राजनीति का चरित्र एक जैसा दिखाई पड़ता है. राजनीति की बुराई किसी एक दल के सरकार में ही नहीं होती बल्कि इसमें दलीय समानता दिखाई पड़ती है. सत्ता में बदलाव, जनता बड़ी आशा और अपेक्षा के साथ करती है लेकिन वास्तविकता फिर पांच साल बाद बदलाव पर जाकर खत्म होती है.

इस नजरिये से देखा जाए तो देश की राजनीति में सुधार से ज्यादा गिरावट को ही जनता महसूस करती है. चुनाव जनता की मजबूरी है. जो चेहरे सामने है उसमें से बेस्ट चुना जाता है. जब तक राजनीति में शुचिता और संस्कार नहीं विकसित होंगे तब तक गिरावट की गति नहीं रुकेगी.

देश ने लंबे समय तक कांग्रेस की सरकारों का अनुभव लिया है. उसी अनुभव से त्रस्त होने के बाद ही देश की राजनीतिक धारा बदली है. बीजेपी का राजनीतिक उत्थान भी कांग्रेस की नकारात्मकता से जुड़ा हुआ है. जरूरी यह है कि, राजनीति नकारात्मकता से नहीं बल्कि सकारात्मक से चले.

जीवन में द्वन्द पर सब कुछ निर्भर होता है. अगर तुलना के नजरिए से देखा जाएगा तो निश्चित रूप से बीजेपी राजनीति में सुधार की पक्षधर दिखाई पड़ती है. बीजेपी में शुचिता और संस्कार के लिए कई स्तरों पर चिंतन और प्रयोग भी दिखाई पड़ते हैं. उनकी एक विचारधारा भी बनी हुई है. उसके बावजूद भी सुशासन की दिशा में जमीन पर सिस्टम में बदलाव की और ईमानदारी की सबसे ज्यादा जरूरत है.

लोभ की राजनीति नेताओं से उतरते हुए जनता तक पहुंच गई है. बहुत सोच विचार कर राजनीति ने जनता को भी इस लाभ में शामिल कर लिया है. मुफ़्तखोरी का यह लोभ सुशासन को नष्ट कर रहा है. प्रशिक्षण की आशा इसमें कितना बदलाव लाएगी यह अब तक तो नहीं हो पाया है. आशा निराशा में न बदले यही राजनीति का लक्ष्य होना जरूरी है.

भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता

राकेश दुबे

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और धमकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है, लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है।

ताज़ा घटनाक्रम में बंठिडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे राखे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है।

गाहे-बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है। पिछले दिनों बेंगलुरू में भी एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को केवल उसके पहनावे को अभद्र बताते हुए एसिड हमले की धमकी दी गई। इस धमकी भरे वीडियो के वायरल होने के बाद उस व्यक्ति को उसके नियोक्ता ने नौकरी से निकाल दिया।

यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता हैज और किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दियाज बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य अंग है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की आजादी की अपनी सीमाएं भी हैं। हालांकि, यह आजादी आलोचना से प्रतिरक्षा नहीं देती, लेकिन यदि आलोचना किसी की मर्यादा को नुकसान पहुंचाने या हत्या की धमकी में तब्दील होने लगे, तो शासन-प्रशासन को सख्त संदेश देना चाहिए। खासकर डिजिटल सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। विशेषकर जब डिजिटल निगरानी शारीरिक हिंसा में बदलने लगे। जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाना चाहिए। यदि ऐसे मामलों में अभी से सख्ती न दिखाई गई तो समाज में ऐसी हिंसक कार्रवाई की घटनाओं को थामना मुश्किल हो जाएगा।

17 जून 1674 संकल्पवान माता जीजाबाई का निधन

इन्हीं ने की थी स्वत्व आधारित स्वराज्य की कल्पना

रमेश शर्मा

भारतीय इतिहास में जीजाबाई एक ऐसी आदर्श माता हैं जिन्होंने अपने पुत्र जन्म से पहले एक ऐसे संकल्पवान पुत्र की कामना की थी जो भारत में स्वत्व आधारित स्वराज्य की स्थापना करे। माता की इसी कल्पना को शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य के रूप में आकार दिया। और माता अपने पुत्र को हिन्दवी स्वराज्य के सिहासनारूढ देखकर मात्र बारह दिन बाद ही संसार से विदा हो गईं।

भारतीय चिंतन में माता को सर्वोच्च स्थान है। यह माना जाता है कि संतान श्रेष्ठ है या नेष्ठ है इसमें माता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस संकल्पना के उदाहरण इतिहास में भरे पड़े हैं कि कैसे विषम और विपरीत परिस्थतियों में माता ने अपनी संतान को श्रेष्ठ बनाया और यही उदाहरण जीजाबाई के व्यक्तित्व में मिलता है।

जीजाबाई का जन्म महाराष्ट्र के सिन्दखेड़ नामक ग्राम में 12 जनवरी 1602 को हुआ था। उस दिन भारतीय तिथि पौष शुक्ल पूर्णिमा थी। उनके पिता लखूजी जाधव अन्य मराठा सरदारों की तरह निजामशाही की सेवा में थे। इसके बदले उन्हें निजाम से जमींदारी तथा सरदार की उपाधि प्राप्त थी। निजाम की सेना में वे अकेले मराठा सरदार नहीं थे अन्य भी थे। पर यह निजाम की रणनीति थी सभी मराठा सरदारों में परस्पर झगड़े बने रहते थे। कई बार तो इनके बीच परस्पर युद्ध की नौबत भी आ जाती थी। इसका लाभ निजाम उठाता था। लखूजी भले निजामशाही के मातहत थे पर घर में भारतीय परंपराओं का पालन करने का वातावरण था और वे मराठा सरदारों के परस्पर संघर्ष से दुखी भी रहते थे। यह स्थिति जीजाबाई ने बचपन से देखी थी। वे एक चिंतक स्वभाव की थीं। वे इन विषयों पर अपने पिता से बातें भी करतीं थीं।

समय गुजरा। समय के साथ वे बड़ीं हुईं। एक बार घर में रंगपंचमी उत्सव मनाया जा रहा था। अनेक सरदार सपरिवार आये थे। रंगपंचमी में सभी बड़े, युवा और बच्चे रंग खेल रहे थे। सबकी नजर होली खेलते जीजाबाई और शाहजी पर पड़ी। पिता लखूजी को जोड़ी अच्छी लगी। उत्सव में शाहजी के पिता मालोजी भी उपस्थित थे। दोनों के विवाह की बात तो चली पर संबंध निर्धारित न हो सका। बात आई गई हो गई। मालो जी उन दिनों लखूजी के आधीन के कार्य करते थे। किन्तु आगे चलकर निजाम ने उनका पद और जागीर दोनों बढ़ा दी और मालोजी मनसबदार हो गये। अंततः जीजाबाई का विवाह शाहजी से हो गया। कुछ समय पश्चात मालोजी का निधन हो गया और उनके स्थान पर शाहजी को दरबार में स्थान मिल गया। जीजाबाई बचपन से एक बात देख रहीं थीं। वह यह कि दक्षिण भारत में निजाम की सेनाएँ सनातनी परंपरा के प्रतीकों और मानविन्दुओं को नष्ट कर रहीं थीं और मंदिरों में लूट होती। इसमें मराठा सरदार भी सहभागी होते। चूँकि उनके पिता और पति दोनों निजामशाही की सेवा में थे। विवाह के बाद वे पति के साथ शिवनेरी के किले में रहने आ गईं। इस विषय पर उनकी कयी बार अपने पति से चर्चा हुई। वे कहतीं कि मराठों की शक्ति स्वत्व के दमन में जा रही है। यदि सब एकजुट होकर अपने लिये संघर्ष करें तो स्वराज्य की स्थापना हो सकती है। पर मराठा सरदारों में एकत्व नहीं था। इसलिए परिस्थिति न बदली। किन्तु उनके मन में स्वराज्य का सपना यथावत रहा।

जब वह गर्भवती हुईं, तो उन्होंने निश्चय किया कि वे अपने पुत्र को ऐसे संस्कार देंगी जो पिता और पति की भाँति स्वराष्ट्र के दमन को आँख मूंदकर न देखे। वह इस परिस्थिति को बदले और समाज में स्वत्व केलिये संघर्ष करे।

अपनी गर्भावस्था में जीजाबाई शिवनेरी के दुर्ग में थीं। उन्होंने रामायण और महाभारत के युद्धों की कथाएँ सुनना आरंभ कीं। ताकि गर्भस्थ बालक पर वीरता के संस्कार पड़ें। जीजाबाई ने महाभारत युद्ध के उन प्रसंगों को अधिक सुना जिनमें योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की रणनीति से अर्जुन को सफलता मिली। अपनी पूरी गर्भावस्था के दौरान जीजाबाई रामायण और महाभारत युद्ध की घटनाओं के श्रवण, चिंतन और, मनन पर केंद्रित रहीं। समय के साथ 19 फरवरी 1630 को शिवाजी महाराज का जन्म हुआ। और उनके जीवन में यदि श्रीराम का आदर्श था तो युद्ध शैली योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण सी रणनीति भी। यही कारण था कि निजामशाही आदिलशाही और मुगलों के भारी दबाव और आतंक से घिरे होने के बाबजूद 6 जून 1674 को शिवाजी महाराज हिन्दू पद पादशाही की स्थापना कर सके।

जीजाबाई मानो इसी दिन के लिए जीवित थीं। शिवाजी को सिंहासन पर विराजमान देखकर बारहवें दिन 17 जून 1674 उन्होंने संसार से विदा ले ली।

यह एक माँ का संकल्प था जिसने पुत्र शिवाजी महाराज को स्वत्व आधारित स्वराज्य के लिये प्रेरित किया। पति शाहजी तो अंत तक दूसरों की सेवा में ही रहे। आरंभिक काल में जब जीजाबाई को लगा कि वे शिवनेरी के किले में रहकर अपने पुत्र को स्वाभिमान संघर्ष का मार्ग नहीं दिखा सकेंगी तो वे अपने पुत्र को लेकर पुणे आ गईं। पुणे यद्यपि शाहजी की जागीर में तो था पर एकदम निर्जन। जिसे जीजाबाई ने ही विकास का आयाम दिया। कोई कल्पना कर सकता है एक ऐसी माँ का, माँ के संकल्प का जो विषम और विपरीत परिस्थितियों में ऐसी संतान को आकार देती जो संतान परिवार समाज और राष्ट्र में स्वत्व और स्वाभिमान जागरण का प्रतीक बने। जीजाबाई ऐसी ही माता हैं। जिनका शरीर भले किसी तिथि पर पंचतत्व में विलीन हो गया। पर वे आज सजीव हैं प्रत्येक उस स्वाभिमानी भारतीय मन में जो भारत राष्ट्र में स्वत्व आधारित स्वशासन की कल्पना करता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

सांसद भारती ने पत्रकारों से सौजन्य भेंट की

सिवनी। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र से सांसद भारती पारधी गत दिवस जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में स्थानीय पत्रकारों से सौजन्य भेंट करते हुए अपने एक साल के कार्यकाल को जनता प्रति समर्पित करते हुए आगे भी सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा के वरिष्ठ नेता संतोष अग्रवाल, भाजपा के मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल, मनोज मर्दन त्रिवेदी, पीजी कॉलेज में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अजय बाबा पांडे, नगर उत्तर मंडल अध्यक्ष संजय सोनी, पार्षद राजू यादव उपस्थित रहे।

प्रवेश से वंचित छात्र फिर कर सकेंगे च्वाइस फिलिंग

छतरपुर। छतरपुर निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कमजोर व वंचित वर्ग समूह के बच्चों के गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के दूसरे चरण की प्रक्रिया 20 जून तक चलेगी। इसमें पहले चरण में प्रवेश से वंचित रहे छात्रों के माता-पिता अपनी ऑनलाइन च्वाइस फिलिंग फिर से करवा सकेंगे। 25 जून को लॉटरी से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। जिले में पहले चरण में 398 निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए 1387 सीट आरक्षित की गई। इनमें प्रवेश पाने के लिए 1775 लोगों ने आवेदन किए। 1589 आवेदन सत्यापित करने के बाद 978 बच्चों का प्रवेश तय किया गया। दूसरे चरण की शेष 99 सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 से शुरू हुई है और 20 जून के बीच चलेगी।

संबल 2.0 योजना की अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया

छतरपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम 16 जून को बरगी जिला जबलपुर से आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अनुग्रह सहायता राशि का वितरण सिंगल क्लिक कर डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के खाते में किया गया। हितलाभ वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण संपूर्ण मध्यप्रदेश में हुआ। छतरपुर जिले के अंतर्गत 74 हितग्राहियों को 01 करोड़ 68 लाख रूपये की राशि का वितरण सिंगल क्लिक कर डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के खाते में किया गया।

मदिरा दुकानों पर शराब की विक्रय दरों के क्यूआर कोड किए गए चस्पा

छतरपुर। आबकारी आयुक्त म.प्र. ग्वालियर के पत्र अनुसार मदिरा दुकानों पर मदिरा की विक्रय दरें एवं विक्रय दरों के सत्यापन के लिए क्यूआर कोड चस्पा किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में आबकारी विभाग छतरपुर द्वारा उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान रखते हुए जिले की प्रत्येक कंपोजिट मदिरा दुकानों पर 3 स्थानों पर क्यूआर कोड चस्पा किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा मदिरा दुकानों पर मदिरा की अधिक विक्रय दरों पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इंस्पेक्टर जीजा के लिए साला बना जी का जंजाल, जीजा की रिवाल्वर से बनाई रील, जीजा लाइन हाजिर

बुलंदशहर। पुलिस अफ़सर जीजा के लिए साला जी का जंजाल बन गया और उसने अपने जीजा की वाट लगवा दी और जीजा को लाईन हाजिर होना पड़ा। दरअसल साले साहब ने जीजा जी की सरकारी रिवाल्वर लेकर फोटो सेशन कराया, रील बनाई और डायलॉग लगाया- ÷मंत्री वन्त्री से कोई मतलब नो, बड़े भाई का सिर पर हाथ है÷ फिर क्या था वीडियो वायरल होने के बाद बुलंदशहर एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने जहांगीरपुर थाना प्रभारी शिव प्रकाश सैनी को किया लाइन हाजिर कर दिया और विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

बेसहारा नाबालिग अनाथ बच्ची सलोनी विश्वकर्मा की मदद की अपील

माता पिता के तलाक के बाद सलोनी विश्वकर्मा अपने पिता दिनेश विश्वकर्मा के पास करीब 15 दिन पहले भागकर आई उसके बाद सलोनी के पिता ने अपनी बहन के पास देख भाल के लिए छोड़ दिया दोसे तीन दिन रखा

उसकी बहन ने भी बच्ची को घर के बाहर छोड़ दिया और अपने घर में ताला लगा दिया और बोली में तुझे नहीं रख सकती हूं बच्ची ने अपने पिता को बुलाया भीम नगर निवासी दिनेश विश्वकर्मा ने हाथ जोड़कर समाज सेवी आरती नरवारे से कहा दीदी प्लीज मेरी बच्ची की मदद करो मेंतो करीब 10 बर्ष से घर में नहीं रहता हूं जहां काम करता हूं वही सो जाता हूं इसलिए बच्ची को कहीं व्यवस्था करवा दो समाज सेवी आरती नरवारे को दिनेश विश्वकर्मा थाना कमला नगर जाकर लिखित में दिया की मेरी बच्ची सलोनी विश्वकर्मा आरती नरवारे जी के सुप्रत की है दिनांक 8/6/2025/ उसके बाद दिनांक 13/को पता चला की दिनेश विश्वकर्मा की एक्सीडेंट से हमीदिया हॉस्पिटल में मृत्यु हो गई है पता चलते ही समाज सेवी आरती नरवारे के दुलारा बेसहारा सलोनी विश्वकर्मा को थाना कमला नगर में पेश किया बहा बच्ची ने बताया की उसकी मां ने उसको ढाई लाख में बेच कर उसकी सादी करवा रही थी और उसके बाद सलोनी विश्वकर्मा को समाजसेवी आरती नरवारे जीने बाल कल्याण समिति सीडब्ल्यूसी में दिया जहां बच्ची का भविष्य सुरक्षित रहे और पढ़ लिखकर अपना भविष्य तय करें।

मप्र में प्रोफेसर्स पर सख्ती, छह घंटे पढ़ाएंगे तब ही सार्थक एप देगा सैलरी

मप्र उच्च शिक्षा विभाग ने प्रोफेसर्स की उपस्थिति पर सख्त नियम लागू किए हैं। अब सभी कॉलेजों में शिक्षकों, लाइब्रेरियनों, खेल अधिकारियों और अतिथि विद्वानों को छह घंटे कॉलेज में रहना होगा। यह कदम उपस्थिति की निगरानी और समय की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली लागू की गई है। यदि आदेशों का पालन नहीं होता है, तो वेतन में कटौती की जा सकती है।

यूजीसी के नए नियम और कॉलेजों की जिम्मेदारी

यूजीसी ने इस नए आदेश के तहत शिक्षकों की उपस्थिति का समय छह घंटे तय किया है। अब यह आवश्यक हो गया है कि सभी शिक्षक, खेल अधिकारी, लाइब्रेरियन और अतिथि विद्वान कॉलेज में यूजीसी द्वारा निर्धारित छह घंटे तक उपस्थित रहें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि उपस्थिति केवल डिजिटल माध्यम से ली जाएगी और इससे जुड़ी रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी जाएगी।

6 घंटे उपस्थितिः अब कॉलेज में कम से कम 6 घंटे उपस्थिति अनिवार्य है

डिजिटल अटेंडेंसः सभी कॉलेजों में डिजिटल अटेंडेंस लागू की गई है।

वेतन में कटौतीः यदि उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज नहीं होती तो वेतन में कटौती हो सकती है।

सार्थक एप और ऑनलाइन उपस्थिति

प्रोफेसर्स की उपस्थिति सार्थक ऐप के माध्यम से दर्ज की जाएगी। यह ऐप ऑनलाइन उपस्थिति का एक साधन है, जो प्राचार्यों और कलेक्टर को उपस्थिति की रिपोर्ट भेजेगा। इस ऐप के माध्यम से शिक्षकों का आना और जाना ट्रैक किया जाएगा। हालांकि, कुछ दूरदराज के कॉलेजों में इंटरनेट की कमी के कारण उपस्थिति दर्ज करने में दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन शहरी क्षेत्रों के कॉलेजों में यह प्रणाली सफलतापूर्वक कार्य कर रही है।

कलेक्टर को भेजी जाएगी रिपोर्ट

प्राचार्य को सार्थक ऐप के माध्यम से एक एनालिटिकल डैशबोर्ड तैयार करना होगा। इस डैशबोर्ड में कॉलेज की आईडी से लॉगिन करके शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी भेजी जाएगी। इसे कलेक्टर और संभागीय आयुक्त को भी भेजा जाएगा। उपस्थिति की सही रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए ऐप में आने और जाने दोनों समय का सही रिकॉर्ड होना आवश्यक है।

शिक्षकों की उपस्थिति और वेतन में कटौती

यदि किसी प्रोफेसर की उपस्थिति कम समय के लिए दर्ज की जाती है, तो उनका वेतन कम हो सकता है। विभागीय आदेशों के अनुसार, यदि शिक्षक कॉलेज में छह घंटे से कम समय रहते हैं, तो उनके वेतन में कटौती हो सकती है। हालांकि, प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष आनंद शर्मा ने इस आदेश पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि शिक्षकों के लिए निर्धारित पांच घंटे का समय पहले था, लेकिन अब यह छह घंटे कर दिया गया है।

प्रोफेसर्स की प्रतिक्रिया...

आनंद शर्मा का कहना है कि अगर प्रोफेसर्स ज्यादा घंटे काम करते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त वेतन मिलना चाहिए। इससे उन्हें अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिलेगा।

उपस्थिति प्रणाली और इसका असर

इस नए नियम के लागू होने से कॉलेजों में प्रोफेसर्स की उपस्थिति पर पूरी तरह से निगरानी रखी जा सकेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रोफेसर अपनी ड्यूटी पर सही समय पर उपस्थित रहें। इसके अलावा डिजिटल उपस्थिति से पारदर्शिता भी बढ़ेगी और शिक्षकों की कार्यक्षमता पर निगरानी रखना आसान होगा।

सार्थक एप के लाभ...

शिक्षकों की उपस्थिति पर पूर्ण निगरानी।
समय की पारदर्शिता और रिकॉर्डिंग।
वेतन भुगतान में कोई असमंजस नहीं रहेगा।

पेंच प्रबंधन की पहल

बफर एवं टाइगर रिजर्व से लगे ग्रामों में स्वास्थ्य शिविरों का किया आयोजन

सिवनी। उपसंचालक पेंच टाइगर रिजर्व ने जानकारी देकर बताया कि पेंच टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में 107 गांव है और बफर क्षेत्र के बाहर के 23 और ऐसे गांव हैं। जिनकी समितियां पेंच टाइगर रिजर्व से सबंद्ध है। इस प्रकार पेंच टाइगर रिजर्व में 130 इको विकास समितियां है और इनसे जुड़े ग्रामीण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पेंच प्रबंधन से जुड़ाव महसूस करते हैं। इनमें से अधिकांश गांव अत्यंत दुर्गम वन क्षेत्र में है और इसीलिए इनमें स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता नगण्य है। इन ग्रामों और इनमें रहने वाले ग्रामीणों की इसी कठिनाई को समझते हुए पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने यूनिटी बैंक ऑफ स्मॉल फाइनेंस और आशा हॉस्पिटल, कामठी के साथ मिलकर ग्रामों में लगने वाले एक दिवसीय स्वास्थ्य चेकअप एवं दवाई वितरण वाले स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है।

आयोजित शिविर कार्यक्रम का प्रथम चरण दिसंबर एवं जनवरी माह में हुआ था, जब कुल 112 ग्रामों में समूह बनाकर कुल 39 स्वास्थ्य कैंप लगाए गए थे और उन स्वास्थ्य कैंपों में 3145 रोगियों का परीक्षण कर उन्हें दवाई वितरित की गई थी। इस स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण कार्यक्रम का द्वितीय चरण मई माह के अंतिम सप्ताह से शुरू हुआ और वर्तमान में प्रगतिरत है। प्रथम चरण के अनुभव से सीख लेकर द्वितीय चरण में सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण शिविर में कम से कम एक महिला डॉक्टर अवश्य हो एवं ग्रामों में इस प्रकार से समूह बनाए गए कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिविर में भाग लेने के लिए 2 किलोमीटर से ज्यादा ना जाना पड़े। द्वितीय चरण में 27 ग्रामों हेतु 14 शिविर पूर्ण हो चुके हैं और अभी 1076 रोगियों का परीक्षण कर दवा का वितरण किया जा चुका है। द्वितीय चरण की विशेष बात यह है कि महिला डॉक्टर की उपस्थिति के कारण शिविर में महिलाओं की उपस्थिति अपेक्षाकृत अधिक है। इसके अतिरिक्त प्रथम चक्र में जहां प्रति गांव उपचार का लाभ लेने वाले ग्रामीणों की संख्या 28 थी, वहीं अभी तक दूसरे चरण में प्रति ग्राम उपचार लेने वाले ग्रामीणों की संख्या 39 है।

15 अगस्त तक मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय मत्स्य विनिमय एवं परिवहन पर प्रतिबंध

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रदेश में मप्र नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3-(2) के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि को बन्द ऋतु (मत्स्य प्रजनन काल) घोषित किया गया है। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार इस अवधि में जिले में मत्स्याखेट मत्स्य क्रय-विक्रय, मत्स्य विनिमय एवं मत्स्य परिवहन करना निषेध किया गया है। मप्र शासन मछली पालन विभाग के निर्देशानुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिसको निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है, उन्हें छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इन नियमों के उल्लंघन पर मप्र मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पॉच हजार रू तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किए जाने का प्रावधान है। आमजन से 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि में स्वयं मत्स्याखेट एवं मत्स्य परिवहन नहीं करने और ना ही इन कार्यो में सहयोग देने के लिए कहा गया है। निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

होटल व्यापारी संघ मेन द्वारा वार्षिक बैठक संपन हुई

आष्टा। नगर के गीतांजलि गार्डन मै होटल व्यापारी संघ द्वारा आयोजित वार्षिक बैठक (2024-25) संघ के संघरक्षक धनरूपमल जी जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई जिसमे वर्ष 2024-25 का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया , संघ के अध्यक्ष सौरभ जैन शीतल ने संघ द्वारा की गई गतिविधियों एवं आयोजनो के बारे में विस्तार से बताया , एवं कुछ नए नियम बनाये गए जिसमे सभी व्यापारी की सहमति ली गई ।सभी व्यापारी से रायशुमारी की एवं उनकी समस्याओ को सुना गया और अनेक निर्णय लिए गए ।

संघ के वरिष्ठ संघरक्षक स्व॰ श्री गणेश प्रसाद जी खत्री (गुरु)को श्रद्धांजलि दी गई एवं कोषाध्यक्ष मुकेश जैन महावीर ने वार्षिक आय एवं खर्च का विवरण प्रस्तुत किया , संघ के महामंत्री दिलीप वशिष्ट ने सभी को स्न्रस्न्ह्र के मापदंड (फ़ूड नियम)समझाये एवं आभार व्यक्त किया ।

नपाध्यक्ष ने सौंपे हितग्राहियों को संबल अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र

आष्टा। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों के मृत होने उपरांत परिवारजनों को अनुग्रह सहायता राशि का हितलाभ का सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया। इसी के चलते नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा द्वारा नगर के तीन हितग्राहियों को सहायता राशि के रूप में दो-दो लाख रूपये की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए। नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए कहा कि संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। सभी संबल हितग्राहियों को अब आयुष्मान भारत निरामय योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, जिन्हें 5 लाख रुपये वार्षिक निःशुल्क चिकित्सा का लाभ मिल रहा हैं। इस अवसर पर संबल प्रभारी नारायणसिंह सोलंकी, बाबूलाल जाटव सहित हितग्राहीगण मौजूद थे।

जिले में रोजगार के लिए अपार संभावनाएं-जिला पंचायत अध्यक्ष

युवा संगम मेला में 52 युवाओं का किया गया चयन

मंडला। जिला प्रशासन मंडला के निर्देशानुसार जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र,आईटीआई एवं जिला रोजगार कार्यालय मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से नगरपालिका परिसर के टाऊनहॉल में रोजगार,स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप 'युवा संगम मेला' का सफल आयोजन किया गया।इस मेले का मुख्य उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था।

मेले में विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के 98 युवाओं ने पंजीयन कराया।जिसमें कुल 6 निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार लेते हुए 52 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया।जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा 5 हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कुशराम,नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा,संयुक्त कलेक्टर सीएल वर्मा,सहायक संचालक श्री बलराम यादव,अन्य पिछड़ा वर्ग के उपसंचालक दिलीप श्रीवास,आईटीआई प्राचार्य श्री आरएस वड़कडे,जिला रोजगार कार्यालय डीके साहू,अनिल दुबे, विकास मिश्रा,भूपेन्द्र चंद्रौल,शंभु धुर्वे, कर्णसिंह धुर्वे,आनंद मरावी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

अप्रेंटिसशिप मेला 'युवा संगम मेला' को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कुशराम ने कहा कि जिले में रोजगार के लिए अपर संभावनाएं है। सरकार की महात्वकांक्षी योजनाओं का लाभ लेते हुए युवाऐं अपनी रुचि और कौशल के अनुसार सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे जो भी काम शुरू करें,उसे विकसित करते हुए जिले और प्रदेश में अपना परचम लहराएं।जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि युवा संगम के माध्यम से हर महिने 25 से 50 युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास कर रहे है।

करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर पीएम किसान की 20वीं किस्त, फिर खाते में 2000-2000 रुपए

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को 20वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार है। अगली किस्त का लाभ चाहिए तो किसान ई-केवाईसी , भू-सत्यापन और आधार लिंकिंग का काम फटाफट पूरा कर लें,अन्यथा किस्त के 2000 रूपए अटक सकते है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के करोड़ों लाभार्थी किसानों के लिए महत्वपूर्ण खबर है।अबतक केन्द्र सरकार द्वारा योजना की 19 किस्तें जारी की जा चुकी है और अब 20वीं किस्त का इंतजार है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून महीने के आखिरी हफ्ते में कभी भी योजना की 20 किस्त के 2000-2000 रुपए जारी किए जा सकते है। हालांकि अभी अधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

ध्यान रहे अगली किस्त का लाभ केवल उन किसानों को मिलेगा जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री, द्गयड्ढष्ट ,भूलेखों का सत्यापन, बैंक खाता आधार से लिंक का कार्य पूरा कर लिया है। इसके अलावा लाभार्थियों के लिए ह्रक्चञ्जद्ध डीबीटी ऑप्शन ऑन होना भी जरूरी है। आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, और जमीन के दस्तावेज, खतौनी/गाटा संख्या जैसे सभी आवश्यक दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। कोई भी समस्या पर किसान ईमेल आईडी श्चद्बद्मद्बह्यड्डठ्ठ-द्बष्ह्लञ्चद्दश1.द्बठ्ठ ,हेल्पलाइन नंबर- 155261 या 1800115526 (ञ्जश्द्यद्य स्न्रद्गद्ग) या फिर 011-23381092 पर संपर्क कर सकते है।

पीएम किसान योजना के नियमानुसार, पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच , दूसरी किस्त अगस्त से नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर से मार्च के बीच जारी की जाती है, ऐसे में अनुमान है कि 20वीं किस्त जून जुलाई 2025 के बीच जारी होने का अनुमान है।4 महीने के हिसाब से देखें तो 20वीं किस्त का समय जून 2025 में पूरा हो रहा है, ऐसे में उम्मीद है कि जून के आखिरी हफ्ते में कभी भी किस्त जारी होने की तारीख का ऐलान किया जा सकता है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना केन्द्र सरकार की एक बड़ी योजना है, जिसके तहत 9 करोड़ से ज्यादा किसानों को सालाना 6,000 रूपए मिलते है। यह राशि हर 4 माह में 3 किस्तों में 2-2 हजार रुपये के रूप में दी जाती है।यह पैसा केन्द्र सरकार द्वारा ष्ठक्चञ्ज ट्रांसफर के जरिए सीधे किसानों के खाते में भेजा जाता है।यह लाभ उन किसानों को मिलता है, जिनके पास 2 हेक्टेयर तक जमीन है और जो भारत के नागरिक है।

कैसे करें eKYC : सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।किसान कॉर्नर÷ अनुभाग पर जाएं और ÷ई-केवाईसी÷ विकल्प पर क्लिक करें।अपना आधार नंबर और पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करें।सत्यापन के बाद मोबाइल नंबर पर एक ह्रञ्जक्क भेजा जाएगा। ह्रञ्जक्क दर्ज करें और ईकेवायसी हो जाएगा।

कैसे करें मोबाईल आधार से लिंक॰ यदि उनके मोबाइल नंबर से आधार नंबर नहीं लिंक है और फिंगर नहीं लग रहा है, तो वह प्ले स्टोर पर जाकर पीएम किसान सामान निधि ऐप को डाउनलोड करके फेस के माध्यम से द्गयड्ढष्ट कर सकते हैं।

कैसे होगा भूमि सत्यापन॰ निकटतम कृषि विभाग के कार्यालय में जाएं और आवश्यक आवेदन फॉर्म प्राप्त कर निर्देशानुसार आवश्यक दस्तावेज़ जमा करें।इसमें आपकी पीएम किसान रजिस्ट्रेशन नंबर, खेत के संबंधित दस्तावेज़ (खसरा / खतौनी) आदि शामिल हो सकते हैं।आवेदन और दस्तावेज़ों की समीक्षा के बाद आपका चयन किया जाएगा।अगर आपका आवेदन स्वीकृत होता है, तो आपको लैंड सीडिंग कर दिया जाएगा।

कैसे करें बैंक सीडिंग॰ किसान को अपने खाते पर एनपीसीआई करवाना होगा।एनपीसीआई लिंक करने के लिए बैंक पासबुक और आधार कार्ड लेकर अपने नजदीकी बैंक शाखा पर संपर्क कर सकते हैं।

शहर स्वच्छ सुंदर दिखे यही प्रयास रहेगा नवागत सीएमओ

आष्टा। मंगलवार को नगर पालिका परिषद आष्टा में सीहोर से नवागत सीएमओ विनोद कुमार प्रजापति पहुंचे और कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण कर कर्मचारियों की मीटिंग की इस दौरान नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि , पाषर्दगण भी उपस्थित रहे। बता दे की नगर पालिका परिषद आष्टा के सीएमओ राजेश सक्सेना का पिछले दिनों ट्रांसफर हो गया उनके स्थान पर सीहोर शहरी विकास अभिकरण सीहोर से विनोद प्रजापति को शासन ने नगर पालिका परिषद आष्टा का नया सीएमओ पदस्थ किया है मंगलवार को प्रजापति नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और पदभार ग्रहण करते ही सबसे पहले कर्मचारियों की मीटिंग ली। पदभार ग्रहण करने के बाद सीएमओ विनोद प्रजापति ने कहा कि शहर स्वच्छ सुंदर दिखे मेरा यही प्रयास रहेगा मेरी सबसे पहले यही प्राथमिकता रहेगी कि शहर में साफ सफाई बेहतर हो सके पूरा फोकस साफ-सफाई पर ही रहेगा साथ ही नागरिकों को कोई परेशानी ना हो पूरा ध्यान रखा जाएगा ।

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी, जिला नर्मदापुरम म.प्र.

क्रमांक/रा.शा.वि./न.पा.इ/2025/35 इटारसी दिनांक 09.06.2025

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद इटारसी से न्यास कालोनी, प्रियदर्शनी नगर इटारसी भवन/भूखंड क्रमांक एलआईजी-43 को जो कि श्रीमती मीना जैन पत्नी श्री महेन्द्र कुमार जैन इटारसी नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है। श्रीमती मोनिका जैन पत्नी विवेक जैन 2. पूजा जैन पत्नी श्री राहुल जैन अपने नाम पर नामांतरण कराना चाहते है। उक्त भवन के नामांमरण होने में किसी को कोई आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 15 दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है। यदि 15 दिवस के भीतर किसी की कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी की किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में भारतीय कॉर्पोरेट कानून सेवा, रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा और केंद्रीय श्रम सेवा के परिवीक्षाधीनों के साथ समूह तस्वीर में।

110 भारतीय छात्र पैदल ईरान बॉर्डर पार कर आर्मेनिया पहुंचे जल्द लाया जाएगा भारत

तेहरान/नई दिल्ली। इजराइल-ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया बॉर्डर के रास्ते देश से बाहर निकाला गया है। इन छात्रों में ज्यादातर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, जो ईरान के उर्मिया शहर से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। इन्हें बुधवार को भारत लाया जा सकता है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जा रहा है। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी।

दिल्ली की पूर्व आप सरकार का क्लास रूम घोटाला, 37 जगह छापा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय ने क्लासरूम निर्माण घोटाला मामले में 37 ठिकानों पर छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय ने घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कई ठिकानों पर छापा मारा है। यह घोटाला कथित तौर पर पिछली आप सरकार के दौरान हुआ था। ईडी ने दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी की है। ईडी ठेकेदारों और निजी संस्थाओं के कम से कम 37 ठिकानों पर तलाशी कर रही है। बता दें कि ईडी ने 30 अप्रैल को दर्ज अपनी एफआईआर में आप के नेता और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12,000 से अधिक कक्षाओं या अर्ध-स्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं की गई थीं।

आम आदमी पार्टी सरकार ने इस मामले को ढाई साल तक दबाया। सीवीसी ने 17 फरवरी 2020 की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार उजागर किया था और रिपोर्ट पर सतर्कता निदेशालय से जवाब मांगा। लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार ने ढाई साल तक इस मामले को आगे नहीं बढ़ाया। इसके बाद अगस्त 2022 में दिल्ली के एलजी ने मुख्य सचिव को निर्देश देकर देरी की जांच करके रिपोर्ट देने कहा।

दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया ने सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने की योजना के अंतर्गत 193 स्कूलों में 2400 से अधिक कक्षाओं का निर्माण कराया था। निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को सौंपी गई थी। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 17 फरवरी 2020 की एक रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से दिल्ली सरकार के स्कूलों में 2,400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया।

बिना निविदा के दे दिए 500 करोड़: सतर्कता आयोग ने भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद जांच में पाया कि दिल्ली सरकार ने बिना निविदा के ही प्रोजेक्ट को 500 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी मंजूर कर दी थी। यही नहीं बेहतर सुविधाओं के नाम पर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट 90त्न तक बढ़ाई गई। हालांकि काम घटिया दर्जे का हुआ। जीएफआर, सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल का जमकर उल्लंघन किया गया।

जांच में यह भी पता चला कि 193 स्कूलों में 160 शौचालय बनाए जाने थे, लेकिन 37 करोड़ रुपये अधिक खर्च कर 1214 शौचालय बनाए गए। दिल्ली सरकार ने इन शौचालयों को कक्षा बताया और 141 स्कूलों में सिर्फ 4027 कक्षाएं ही बनाई।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Military action intensified every where in June
(WE SAID THIS ON MARCH 20, 2025)
Stars say military action to be intensified?
A few astrologers while discussing the world situation said that Mars' anger will lead to military action in many parts of the world till June end.

कश्मीर के लोगों ने अपने स्थान और भावना को पुनः प्राप्त कर लिया है: मनोज सिन्हा

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्रालय के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित प्रसिद्ध फोटो पत्रकार आशीष शर्मा की पुस्तक 'रीइमेजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर-ए पिक्टोरियल जर्नी' के विमोचन और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के कला निधि प्रभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 16 जून को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के समवेत सभागार में हुआ, जिसमें जम्मू और कश्मीर की दृश्य कथा और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, विद्वान और सांस्कृतिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित थीं। आईजीएनसीए ट्रस्ट के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन भाषण आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने दिया। स्वागत और परिचय आईजीएनसीए के कला निधि प्रभाग के निदेशक और प्रमुख प्रो. (डॉ.) रमेश सी. गौर ने प्रस्तुत किया। इस पुस्तक पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन 16 से 25 जून तक आईजीएनसीए के दर्शनम-ढ्ढ प्रदर्शनी हॉल में किया जा रहा।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने

संबोधन में क्षेत्र के एकीकरण और परिवर्तन के निर्णायक क्षण के रूप में, दो ऐतिहासिक तिथियों 5 अगस्त 2019 और 6 जून 2025 पर जोर दिया। पहली तिथि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने का प्रतीक है, और दूसरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए रेल को रवाना करके दशकों से चले आ रहे ठहराव के अंत और संपर्क तथा विकास के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन दोनों तिथियों और इन्हें संभव बनाने वाले लोगों को राष्ट्र के इतिहास में याद किया जाएगा। रीइमेजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर के नौवें अध्याय में शामिल कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने वाले चिनाब ब्रिज का उल्लेख करते हुए श्री सिन्हा ने जड़ता से प्रगति तक राज्य की यात्रा पर प्रकाश डाला आम चुनावों से काफी पहले 2024 में में लिखी गई 225 पृ?ठों की यह कॉफी टेबल पुस्तक जम्मू और कश्मीर में आए परिवर्तन को तथ्यात्मक और विचारोत्तेजक ढंग से प्रलेखित करती है।

श्री सिन्हा ने कहा कि 'रीइमेजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर-ए पिक्टोरियल जर्नी' पुस्तक दृश्यात्मक कल्पना के माध्यम से बदली हुई वास्तविकता को दर्शाती है। क्षेत्र के लोगों की पिछली कठिनाइयों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज, कश्मीर के लोगों ने अपने स्थान और भावना को पुनः प्राप्त कर लिया है। सरकार के दृष्टिकोण की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि शांति खरीदी नहीं जा सकती - इसे स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा बलों को दिए गए निर्देश निर्दोष को परेशान न करें; दोषियों को न बख्शें को भी याद किया। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए हमले के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार, जम्मू और कश्मीर के लोग इस तरह की क्रूरता के विरोध में खुलकर सामने आए और उनकी इस सामूहिक इच्छा की अभिव्यक्ति को देश कभी नहीं भूलेगा।

आशीष शर्मा की पुस्तक में फोटोग्राफिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने उनकी कड़ी मेहनत को महसूस किया है और यह पुस्तक प्राकृतिक दृश्यों के अलावा भूमि के उभरते लोकाचार और भावों को भी दर्शाती है। पुस्तकों को एक युग का दस्तावेज बताते हुए उन्होंने कहा कि रीइमेजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर ए पिक्टोरियल जर्नी पुस्तक परिवर्तन का एक सम्मोहक चित्र प्रस्तुत करती है और जैसे-जैसे आम नागरिक मजबूत होता जाएगा, वैसे-वैसे राज्य भी मजबूत होता जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद इस पुस्तक का महत्व और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक बड़ी फोटो बुक नहीं है, बल्कि इसमें हजारों अनकही कहानियां हैं। यह कश्मीर के बदलाव की एक ऐसी कहानी बताती है जिसे दुनिया को सुनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि इस

सोने के दाम में आई उछाल

नई दिल्ली। अगर आप आज बुधवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले आज 18 जून का ताजा भाव जान लीजिए। आज सोने के दाम में 540 प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतों में 1000 प्रति किलो का उछाल आया है। नई कीमतों के बाद सोने और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। आज बुधवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 18 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 92,650 , 24 कैरेट का भाव 1,01, 060 और 18 ग्राम सोने का रेट 75,810 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 11,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव

दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 75 810/- रुपये।

कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 75, 690/- रुपये।

इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 75, 730 चल रहा है।

चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75, 160/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव

भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 92, 550/- रुपये।

जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 92, 650/- रुपये।

हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 92, 500/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव

भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,960 रुपये

दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,10,600/- रुपये।

हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 1,00, 910/- रुपये।

चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 1,00, 910/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत (सिल्वर रोड टोडा 4) 1,11 000 /- रुपये चल रही है।चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,21,000/- रुपये।

भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 1,11, 000/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

सोना खरा है या नहीं? कैसे चेक करें प्योरिटी?

सोने की शुद्धता पहचानने के लिए हॉल मार्क दिए जाते हैं।

24 कैरेट गोल्ड 99.9 प्रतिशत शुद्ध होता है और 22 कैरेट लगभग 91 प्रतिशत शुद्धता होती है।

सिकल सेल रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मप्र दृढ़ता से कर रहा है साकार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष-2047 तक देश को सिकल सेल मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर हम सब एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। सिकल सेल रोग के उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से साकार कर रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एक आनुवांशिक एवं असाध्य रक्त विकार है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित होता है। इसमें लाल रक्त कणिकाएँ अर्द्धचंद्राकार हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन प्रवाह बाधित होता है और व्यक्ति को तीव्र दर्द, संक्रमण व अंग क्षति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह रोग विशेषकर जनजातीय समुदायों में अधिक व्यापक है और मध्यप्रदेश जैसे जनजातीय बाहुल्य राज्य के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 19 जून को बड़वानी में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यपलाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रदेश के 33 सिकल प्रभावित जिलों में परामर्श, स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन और नि:शुल्क उपचार हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही सिकल सेल उन्मूलन के प्रयासों को और सशक्त किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को सिकल सेल मुक्त बनाएंगे। हर नागरिक की स्क्रीनिंग कराएं, विवाह पूर्व सिकल सेल कार्ड को अनिवार्य रूप से अपनाएं और समाज में संकोच नहीं, समाधान का संदेश फैलाएं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार ने सिकल सेल उन्मूलन को स्वास्थ्य न्याय का विषय मानते हुए इसे मिशन मोड में अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश आज सिकल सेल स्क्रीनिंग में देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। 2 लाख से अधिक सिकल सेल वाहक एवं 29,277 रोगी चिन्हित हुए हैं। 80 लाख 9 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। 26,115 मरीजों को हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा से उपचार उपलब्ध कराया गया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सभी चिन्हित रोगियों को नि:शुल्क दवा, टीकाकरण, रक्ताधान और जेनेटिक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। एम्स भोपाल में नवजातों की 72 घंटे में जांच हेतु विशेष प्रयोगशाला कार्यरत है। इंदौर मेडिकल कॉलेज में 100 से अधिक बोनमेरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए गए हैं। रीवा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज प्रभावी रूप से कार्यशील है। इसके अतिरिक्त, जनजातीय स्कूलों, छात्रावासों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ताकि रोग की पहचान प्रारंभिक स्तर पर हो सके और प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आग्रह किया है कि कुंडली मिले या न मिले, शादी से पहले सिकल सेल कार्ड जरूर मिलाएं। उन्होंने कहा कि यदि दोनों युवा सिकल सेल वाहक होते हैं तो उनके बच्चों में गंभीर सिकल सेल रोग होने की संभावना बहुत अधिक होती है। अत: विवाह से पहले सिकल सेल जांच कराना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा का एक सामाजिक उत्तरदायित्व है।

बमीठा, पन्ना और सतना के फोर लेन के संबंध में जन परामर्श बैठक संपन्न

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जन परामर्श बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग 39 बमीठा पन्ना सतना के फोर लेनिंग (चौड़ीकरण) के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें लगभग 14 कि.मी. की सड़क छतरपुर जिले के राजनगर तहसील की सीमा में आती है। बैठक में वनमंडलाधिकारी छतरपुर, क्षेत्र संचालक पन्ना टाईगर रिजर्व, उप मुख्य अभियंता पष्चिम मध्य रेलवे, खजुराहो, अनुविभागीय अधिकारी राजनगर, जल संसाधन विभाग, जल निगम, लोक निर्माण विभाग, डीपीआर कंसलटेंट एनएच पीडब्ल्यूडी रीवा उपस्थित रहे।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को सशक्त बनाने...

डालमिया सीमेंट ने मोबाइल मेडिकल यूनिट लॉन्च की

छिंदवाड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचाने के लिए एक अहम पहल करते हुए, भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनियों में से एक डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) ने अपने मंडला नॉर्थ कोल माइन टीम के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस पर छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) की शुरुआत की। इस मोबाइल यूनिट के माध्यम से डालमिया सीमेंट का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर इस क्षेत्र को सहायता प्रदान करना है। एमएमयू सात परियोजना-प्रभावित गांवों- बिछुआ पत्थर, सानवला ढाना, देवरी, सेठिया, सिरगोडा, मंडला और तेंदुखेड़ा में नियमित रूप से निःशुल्क चिकित्सा जांच और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराएगी। यूनिट में एक डॉक्टर, एक नर्स और एक फार्मासिस्ट की टीम तैनात रहेगी। इस पहल की शुरुआत डालमिया सीमेंट के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ङ्क कोल ऑपरेशंस संदीप कुमार जैन ने की।

कार्यक्रम में कंपनी के अन्य अधिकारी और वॉकहार्ट फाउंडेशन के टीम लीडर समीर जायसवाल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर डालमिया भारत के नेशनल मैन्युफैक्चरिंग हेड गणेश जिरकुंतवार ने कहा, डालमिया भारत में हमारा मानना है कि समुदायों का स्वास्थ्य और कल्याण ही हमारे सतत विकास के विज़न का मूल आधार है। मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुआत इस बात का प्रमाण है कि हम दूर-दराज और उपेक्षित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस पहल के माध्यम से हम उन ग्रामीणों तक जरूरी चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाना चाहते हैं, जिन्हें अब तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं भी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती है। इस प्रयास को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए हम वॉकहार्ट फाउंडेशन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। डालमिया भारत ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति अपने संकल्प पर स्थिर है। कंपनी का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देकर मजबूत और आत्मनिर्भर समुदायों का निर्माण करना है।

देश को आज मिलेगा शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला महाराष्ट्र के किले से मिला नाम

विशाखापट्टनम। देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) आईएनएस अर्णाला का बुधवार को कमीशन होगा। इसे विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया जाएगा। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सीडीएस जनरल अनिल चौहान हैं। महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर इसे यह नाम दिया गया है। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की दमदार मौजूदगी के लिए डिजाइन किया गया है। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और डिएक्टिवेट करेगा। आईएनएस अर्णाला को 8 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। हालांकि यह कमीशनिंग सेरेमनी 16 एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कैटेगरी के जहाजों में से पहले जहाज को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल करने का प्रतीक है। मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) कोलकाता और मेसर्स रुञ्ज शिपबिल्डर्स के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत डिजाइन और बनाया गया अर्णाला डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर भारत की सफलता का प्रमाण है।

राजेश बाथम नगर निगम में उपायुक्त अजय ठाकरे नपा दमुआ के सीएमओ बने

छिंदवाड़ा। प्रदेश शासन ने नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के स्थानांतरण किये है जिसमें अमरवाड़ा के सी.एम.ओ राजेश बाथम को छिंदवाड़ा नगर निगम में उपायुक्त बनाया गया है। न्यूटन चिखली के राजस्व उपनिरिक्षक अजय ठाकरे को प्रभारी मुख्य नगर पालिका दमुआ बनाया गया है। परासिया सी.एम.ओ साक्षी वाजपेयी को डबरा ग्वालियर का सी.एम.ओ बनाया गया जिले के अन्य सी.एम.ओ को बदला गया है, कुछ सी.एम.ओ कोअपने मूल पद पर भेजा गया है। नगर निगम छिंदवाड़ा में हिमाशु अतुलकर प्रभारी कार्यपालन यंत्री होंगे।

समितियों के संचालक मंडल के निर्वाचन के लिये आवेदन 23 जून तक

छिन्दवाड़ा। म.प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक छिंदवाड़ा ने बताया कि विकासखण्ड सौंसर में कार्यशील आजीविका बहुप्रयोजन समितियों में 14 प्राथमिक महिला आजीविका बहुप्रयोजन सहकारी समितियों घोटी, घोघरीखापा, कोपरावाड़ी, बानाबकोड़ा, ढोकढोह, रोहना, रामाकोना, रोहना, रंगारी, रामपेठ, सर्रासांवरी, बैरागढ़, मर्रम, पंधराखेड़ी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन सम्पन्न होना है। इन 14 समितियों के संचालक मण्डल के सदस्यों पदाधिकारियों एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किये गये है। समिति के संचालक मण्डल के निर्वाचन के लिये आवेदन 23 जून 2025 को विकासखण्ड प्रबंधक कार्यालय म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड सौंसर में प्रात:-11 बजे से दोपहर 03 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी।

आबकारी टीम की अवैध शराब के अड्डों के विरुध्द प्रभावी कार्रवाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं ज़िला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में ज़िले के आबकारी अमले द्वारा प्रातः के समय वृत्त प्रभारी

श्री आकाश मेश्राम के नेतृत्व में सर्वप्रथम ग्राम सोमाढाना में नाले एवं जंगल के किनारे एवं पानी के अन्दर प्लास्टिक की पन्नियों और प्लास्टिक की कैन में भरकर छुपाकर रखे गए और झाड़ियों के भीतर से भी महुआ लाहन बरामद कर खोलकर विधिवत नष्ट किया गया। साथ ही मौके से बरामद महुआ निर्मित हाथ भट्टी मदिरा आबकारी द्वारा कब्जे में ली गई। इसके बाद इसी ग्राम से लगे गोसाई ढाना में जंगल के अंदर प्लास्टिक ड्रमों में रखे महुआ लाहन को विधिवत नष्ट किया गया। अंत में ग्राम कपरवाड़ी में नाले के किनारे चालू मिली भट्टियों को तोड़कर पन्नियों में भरा महुआ लाहन विधिवत नष्ट किया गया।

नई आबादी में पकड़ी कच्ची महुआ की शराब

अमरवाड़ा । नई आबादी क्षेत्र मैं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कच्ची महुआ की शराब सुबह 5-00 बजे से शातिर लोग खराब शराब के खरीदी बिक्री करने की करने की खबर आम हो चुकी है इसी तारतम्य मैं सहायक उप निरीक्षक करतार सिंह बघेल ने नई आबादी क्षेत्र में दलबल के साथ पहुंचे तभी कुछ लोग कुछ लोग शराब की कैन लेकर भाग गए पीछा करने पर आकाश नामक युवक एक प्लास्टिक की कूपा आज भट्टी की कच्ची महुआ की शराब के साथ दबोचा गया युवक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया इस कार्यवाही में कुल 10 प्रकरण दर्ज कर 8200 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया तथा 60 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा आबकारी द्वारा कब्जे में ली गई। इस कार्यवाही में सहायक ज़िला आबकारी अधिकारी कैलाशचंद्र चौहान, आबकारी उपनिरीक्षक सुश्री अर्चना घोरमारे, श्री आकाश मेश्राम, श्री जीतसिंह धुर्वे सहित आबकारी अमला उपस्थित था।

राजपूत क्षत्रिय सभा का महाराणा प्रताप जयंती पर सामाजिक मिलन समारोह

छिंदवाड़ा। जिला राजपूत क्षत्रिय सभा द्वारा विगत् दिवस महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य सामाजिक मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी जानकारी देते हुए सचिव रवि चंदेल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संत सिंह सेंगर एवं जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष राजेश सिंह बैस, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अरविंद प्रताप सिंह, संभागीय अध्यक्ष करणीय सेना अरूण प्रताप सिंह एवं उपस्थित स्वजातीय बंधुओं ने महाराणा प्रताप की मूर्ति पर मार्ल्यापण एवं पुष्प अर्पित कर द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाज के जिलाध्यक्ष राजेश सिंह बैस ने उपस्थित मातृशक्ति एवं युवा साथियों से आव्हान किया कि वे समाज की उन्नति में अपना तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें, शीघ्र ही संपूर्ण जिले में समाज का सदस्यता अभियान एवं भवन निर्माण निधि संग्रह का कार्यक्रम प्रारंभ किया जावेगा, जिसका उपस्थित सभी स्वजातीय बंधुओं ने समर्थन किया । कार्यक्रम में विशेष रूप से दिगम्बर सिंह राजपूत, श्री ओम बैस, गजेन्द्र बैस, अजीत सिंह चौहान, धनंजय ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति एवं सामाजिक बंधुगण उपस्थित हुए । कार्यक्रम उपरांत सभी ने स्वल्पाहार ग्रहण किया ।

सेंट्रल बैंक के अंदर से गल्ला व्यापारी के बैग से नकदी उड़ा ले गए चोर

बैंक के गेट में नहीं है गार्ड की व्यवस्था, सीसीटी कैमरे हुए खराब, बैंक प्रबंधन की लापरवाही आई सामने

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा के गल्ला व्यापारी के बैग से नकदी उड़ाने का मामला सामने आया है। घटना अमरवाड़ा सेंट्रल बैंक की सोमवार दोपहर 12 बजे पीड़ित ने सेंट्रल बैंक से 99 हजार रुपए नकदी निकाली थी। नकदी बैग में रखकर व्यापारी स्कूटी से घर पहुंचा था। घर जाकर देखा तो बैग से रुपए गायब थे। अज्ञात आरोपी ने बैग को ब्लेड से काटकर रुपए उड़ाए है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित विनोद साहू ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे वह सेंट्रल बैंक पहुंचा था। बैंक से 99 हजार रुपए निकालकर बैग में रखे थे। बैंक से निकलकर वह स्कूटी से घर पहुंचा तो बैग में रुपए नहीं थे। बैग में ब्लेड से कटा हुआ था। अज्ञात आरोपियों ने दिनदहाड़े बैग में से रुपए उड़ा ले गए। शिकायत के बाद पुलिस बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। वहीं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।

बैंक प्रबंधन की लापरवाही आई सामने

इस घटना के बाद कहीं ना कहीं बैंक प्रबंधन की लापरवाही सामने आई द्धद्ध यहां सीसीटीवीकमरे खराब है जिसमें धुंधलादखाई देता है लेकिन बैंक प्रबंधन सुधरवाने का प्रयास नहीं किया और यहां केगट पर कोई गार्ड भी तैनात नहीं रहताहै

बैंक के गेट पर नहीं है गार्ड की व्यवस्था

अमरवाड़ा नगर के सेंट्रल बैंक में गेट पर कोई गार्ड की व्यवस्था नहीं है और यहां के सीसीटीवी कैमरे भी खराब हो चुके हैं जिस वजह से पुलिस काफी दिक्कत हो रही है वहीं पुलिस मामले की गंभीरता के साथ जांच कर रही है बैंक के आसपास के सीसीटीवी कैमरे को देखा जा रहा है और बैंक के गेट पर कोई गार्ड की सुविधा भी नहीं है

छिंदवाड़ा जिले की 3.22 लाख लाड़ली बहनों के खातों में आए 40.34 करोड़

पांढुर्णा जिले की 69917 लाड़ली बहनों के खातों में आए 7.39 करोड़

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सोमवार को जबलपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र बरगी के ग्राम बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना योजना की 25वीं किस्त, गैस सिलेंडर रिफिल योजना की राशि एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की मासिक सहायता राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की। इस अवसर पर उन्होंने सभी बहनों को बधाई और शुभकामनाएँ भी दीं।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जून माह की 1250 रुपए की मासिक सहायता राशि के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले की 3.22 लाख बहनों को कुल 40.34 करोड़ रुपए तथा पांढुर्णा जिले की 69917 बहनों को 7.39 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई।

छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिले के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत राशि का वितरण- मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले के 177 हितग्राहियों को जून माह की 3,81,00,000 रुपए तथा पांढुर्णा जिले के 56 हितग्राहियों को 1,19,00,000 रूपये रुपए की राशि प्राप्त हुई।

कलेक्टर कार्यालय में देखा गया सीधा प्रसारण

इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्टर कार्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में लाभान्वित हितग्राहियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में देखा व सुना गया। इस अवसर पर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, शेषराव यादव, विजय पांडे, अजय सक्सेना, धर्मेन्द्र मिगलानी, भरत घई व अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रभारी एडीएम श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास छिंदवाड़ा, श्रम पदाधिकारी छिंदवाड़ा सहित अन्य अधिकारी व लाभार्थी लाडली बहनें और पेंशनर्स उपस्थित थे। जिले की सभी 12 परियोजनाओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी कार्यक्रम का वेबकास्ट द्वारा सीधा प्रसारण किया गया।

विधार्थी आधुनिक संचार साधनों का उपयोग शैक्षणिक ज्ञान बढ़ाने में करे: बंटी विवेक साहू

छिन्दवाड़ा। संचार क्रांति के इस युग में विद्यार्थी आधुनिक संचार साधनों का उपयोग अपने शैक्षणिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए करेए नैतिकता और राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए महापुरूषों और प्रसिद्ध कवियों का अनुसरण करें। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिन्दवाड़ा में प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कही। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री साहू ने कहा कि हिन्दी की प्रासंगिकता आज भी कम नहीं है। केन्द्र सरकार उच्च एवं व्यवसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों को हिन्दी में लागू कर रही है। उन्होंने विधालय में मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कक्षा 5वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया।

इन विधार्थियों का सांसद ने किया सम्मान

विद्या निकेतन विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान सांसद श्री साहू ने विद्यार्थियों का सम्मान किया। जिसमें कक्षा 5वीं से कामना राहंगडाले, गोरांगी सोनी, तनुश्री मालवी, कक्षा 8वीं से मिताली घोरसे, प्रिंसी जाधव, लक्ष्य साहूए कक्षा 10वीं से प्रणव गायधनी, श्याम वर्मा, आदित्य सदाफल, एवं कक्षा 12वीं से सैय्यद माविया अलीए सपना चंद्रवंशी, तान्या माहोरे सहित लगभग 90 विद्यार्थी शामिल थे।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

विद्या निकेतन विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता जगेन्द्र अल्डक, मनोज सक्सेना, चंद्रभान देवरे, बंटी सक्सेना, मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर, हिन्दी प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रणय नामदेव, मंत्री श्याम सुंदर चांडक, उपमंत्री प्रफुल्ल बाकलीवाल, शिक्षा सचिव नवनीत व्यास, रंजीत सिंह परिहार, डॉ. दिलीप खरे, हरनाम सिंग बट्टी, अरविंद राय, शैलेन्द्र तिवारी, दिलीप जैन, एस.पी.माहोरे, प्राचार्य नम्रता चंदेल सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अभिभावकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे।

मुरैना में मिली अपना दल (एस) सदस्यता अभियान को गति, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

मुरैना, अपना दल (एस) के मध्य प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव आर बी सिंह पटेल अपने चार दिवसीय दौरे के पहले दिन आज भिंड में कार्यकर्ता बैठक के बाद मुरैना पहुंचे। मुरैना के एक होटल में शाम 5 बजे आयोजित सदस्यता अभियान सह कार्यकर्ता बैठक में उन्होंने हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ पूरे दौरे की अध्यक्षता कर रहे राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम और कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एन एस धाकड़ भी उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती और सदस्यता अभियान को गति देने पर चर्चा हुई। आर बी सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, अपना दल सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मध्य प्रदेश में हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं के दम पर जन-जन तक पहुंचेगी और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा सत्ता में रहते हुए पिछड़ा वर्ग के लिए उठाये गए कदमों की जानकारी भी साझा की। इस दौरे की अध्यक्षता कर रहे राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, ÷हमारा लक्ष्य है कि अपना दल की विचारधारा को मध्य प्रदेश के हर कोने तक पहुंचाया जाए। सत्ता में सहभागिता ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है, जिसे हम राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में जरूर हासिल करेंगे।÷इस दौरान कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एन एस धाकड़ ने भी अपने विचार रखते हुए कहा, मुरैना में कार्यकर्ताओं का जोश और संगठन के प्रति समर्पण पार्टी को नई ऊर्जा देने वाला रहा है। हमें पूरी उम्मीद है कि प्रदेश में अपना दल एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरेगा।

देशी-विदेशी शराब दुकानों में मनमानी...

एमआरपी से ज्यादा रेट में मिल रही शराब, रेट लिस्ट नदारद

छिंदवाड़ा/परासिया। छिंदवाड़ा सहित सभी तहसील अंतर्गत देशी एवं विदेशी शराब की दुकानों में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ग्राहकों से शराब की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी से 50 से 100 तक अधिक राशि वसूली जा रही है। रवानवाड़ा समेत अन्य दुकानों में न तो रेट लिस्ट प्रदर्शित की जा रही है और न ही किसी नियम का पालन किया जा रहा है। ग्राहकों का कहना है कि देशी और विदेशी दोनों ही प्रकार की शराब पर मनमर्जी से रेट तय कर बेचा जा रहा है। इस पूरे खेल में आबकारी विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की मिलीभगत और लापरवाही के चलते वाइन शॉप संचालक बेलगाम हो गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी शराब दुकानों की जांच कर, एमआरपी से अधिक वसूली पर कठोर कार्रवाई की जाए और प्रत्येक दुकान पर रेट लिस्ट प्रदर्शित करने का कड़ा निर्देश जारी किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने..

जेपी एसोसिएट्स तथा डालमिया सीमेंट के शोषण को लेकर जनसुनवाई में आवेदन दिया

छिंदवाड़ा। भारतीय मजदूर संघ के एवं जिला समिति के पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में जे.पी.एसोसिएट्स तथा डालमिया सीमेंट के षडयंत्र से न्याय प्राप्त करने हेतु भू अर्जित कर्मचारियों एवं श्रमिकों के द्वारा जनसुनवाई में आवेदन देकर न्याय प्राप्ति के गुहार लायी गयी हैं। भारत सरकार कोयला मंत्रालय की केपटिव माईन्स योजना के अंतर्गत मेसर्स जे.पी.एसोसिएट्स को छिन्दवाड़ा जिले के अंतर्गत ग्राम मंडला/बिछुआ में कोल ब्लॉक वर्ष 2009 में आवंटित किया गया था कोल ब्लॉक आवंटन के पश्चात् मेसर्स जे.पी.एसोसिएट्स के द्वारा शासकीय भूमि के साथ कुछ कृषकों से भूमि का क्रय किया गया है ,और भूमि क्रय करने के पश्चात् ऐसे सभी कृषक जिनकी भूमि भूअर्जित की गई थी उन्हें चालू होने वाली कोयला खदान में नियोजित करने का अनुबंध जे.पी.एसोएिट्स के द्वारा किया गया। 11 सितम्बर 2009 से लेकर मई 2025 तक जे.पी.एसोसिएट्स के द्वारा कोल उत्खनन का कार्य नहीं किया गया है ,सभी नियोजित कृषकों से कृषि संबंधित कार्य का संपादन करवाया गया।

जे.पी.एसोसिएट्स से उक्त दोनों कोल ब्लॉक कोल मंत्रालय भारत सरकार की वर्तमान में जारी नीति के परिपालन में मेसर्स डालमिया लिमिटेड को स्थानान्तरित कर दिया गया। मेसर्स डालमिया एवं जे.पी.एसोसिएट्स के उक्त कोल ब्लॉक हस्तांतरण के संबंध में भू-राजस्व संबंधी सभी प्रक्रिया अनुविभागीय अधिकारी परासिया के कार्यालय में संपादित हुयी । एस.डी.एम.परासिया की उपस्थिति में भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ ,पेंच कन्हान के पदाधिकारी भू अर्जित नियोजित कृषकों के प्रतिनिधि तथा मेसर्स डालमिया के प्रतिनिधियों के बीच नियोजित कामगारों की सेवा शर्ते और नियोजन के संबंध में कई बैठकों का दौर अभी तक हो चुका है, परंतु मेसर्स डालमिया द्वारा भू अर्जित कृषकों के नियोजन के संबंध में कोई भी ठोस सकारात्मक एवं वैधानिक प्रक्रिया सामने नहीं लायी गयी है ,बैठकों में डालमिया के प्रतिनिधि जिन बिन्दुओं पर चर्चा करते हैं उसके उलट एक या दो दिन बाद लिखित आवेदन में सभी तथ्यों के उलट अपना पक्ष रखते हुये प्रशासन एंव भू-अर्जित नियोजित कृषकों को गुमराह करते हैं। इसके फलस्वरूप भू-अर्जित नियोजित कामगारों के बीच में भ्रम एवं असंतोष का वातावरण बना हुआ है। जे.पी.एसोसिएट्स प्रबंधन के ठेकेदार प्रतिनिधि गुप्ता ब्रदर्स के द्वारा एक नोटिस जारी करते हुये दिनांक 22.05.2025 से सभी भू-अर्जित नियोजित कामगारों को बंद कर दिया गया है। जे.पी.एसोसिएट्स के द्वारा काम बंद करने के पूर्व कामगारों के वैधानिक स्वत्वों जैसे - सी.एम.पी.एफ.,ग्रेज्युटी एवं मार्च -अप्रैल 2024 का वेतन भुगतान नहीं किया गया। जिसके फलस्वरूप विभिन्न श्रमिकों नियमों के अंतर्गत मिलने वाली वैधानिक सुविधाओं से सभी कामगार वंचित है। मेसर्स डालमिया के द्वारा जे.पी.एसोसिएट्स से प्राप्त किये गये कोल ब्लॉक के संबंध में भू-राजस्व की सभी प्रक्रियायें पूर्ण कर ली गई है ,परंतु कामगारों को नियोजन के संबंध में विधिवत कोई द्विपक्षीय अनुबंध न करते हुये किसी एस.एस.सिंह एण्ड कंपनी को अपना पेटी कांट्रेक्टर के रूप में प्रस्तुत किया गया है और नियोजन के संबंध में सभी शर्तों का निर्धारण ठेकेदार प्रतिनिधि के द्वारा किया जा रहा है जो कि ठेकेदारी कानून के अंतर्गत वर्तमान स्थिति में विधि मान्य एवं उचित नहीं है। दिनांक 22.05.2025 से कामगारों को बंद किये जाने के कारण उनके सामने अपने एवं परिवार के भरण पोषण की समस्या सामने आ गयी है। आज दिन मंगलवार दिनांक 17/06/2025 को सम्पन्न हुई जनसुनवाई में खनिज विभाग छिन्दवाड़ा की ओर से कोई सक्षम अधिकारी उपस्थित नहीं होने के कारण श्रमिकों का पक्ष पूर्णतयाः नहीं सुना गया।

मक्का टिपकाने की गाड़ी नहीं देने पर घर में किया पथराव

अमरवाड़ा । थाना अंतर्गत ग्राम बाबू टोला के रहने वाले कृषक से हरिओम ने मक्का टिपने की गाड़ी मागा लेकिन कमल के खेत में काम होने के कारण उसने देने से मना कर दिया हरि ओम ने इसी बात को लेकर पहले विवाद किया रात्रि 8-00 बजे कमल अपने घर में घर में पत्नी के साथ पत्नी बच्चे भतीजी के साथ खाना खा रहा था तभी उसके घर के सामने हरि ओम पत्थर लेकर आया और गंदी गंदी गाली देकर कमल के घर के अंदर पत्थर फेंका जो रक्षा के हाथ पंजे में हरदीप को माथे में लगा कमल की पत्नी ने जब घर के दरवाजा बंद कर दी तो आरोपी ने उत्तर मार मार कर दरवाजा तोड़ दिया और घर के सामने खड़ी बैलगाड़ी को पत्थर मार कर तोड़ दिया और चिल्ला कर बोल रहा था अकेले खेत जाकर देखना तुझे जान से खत्म कर दूंगा कमल की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा हरिओम के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया

छिंदवाड़ा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत...

माचागोरा जल प्रदाय योजना का निरिक्षण गुणवत्ता और लागत बचत की सराहना हुई

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल जिले छिंदवाड़ा में जल जीवन मिशन के तहत क्रियान्वित की जा रही माचागोरा समूह नल जल प्रदाय योजना का आज भारत सरकार की केंद्रीय टीम द्वारा भौतिक निरीक्षण किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपसचिव राघव गुप्ता एवं तकनीकी अधिकारी श्री सुमंतो चक्रवर्ती उपस्थित रहे।यह दौरा छिंदवाड़ा जिले के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, क्योंकि केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने योजना के तकनीकी ढांचे, प्रगति, गुणवत्ता एवं लागत प्रबंधन का गहन अवलोकन किया और इसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय मॉडल करार दिया।छिंदवाड़ा जिले में जल निगम द्वारा क्रियान्वित माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना का उद्देश्य जिले के 722 गांवों को दीर्घकालिक एवं शुद्ध पेयजल सुविधा प्रदान करना है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की स्वीकृत लागत ?848.29 करोड़ है और इसका कार्य किया जा रहा है। योजना का कार्य वर्तमान में तीव्र गति से प्रगति पर है और अब तक 70त्न कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

पीएम किसान सम्मान निधि की राशि, पात्रता पर्ची जारी करने के साथ ही संबल योजना का लाभ दिलाने की मांग

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 105 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, पीएम जनमन आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, पात्रता पर्ची जारी करने, संबल योजना का लाभ दिलाने, भू-अधिकार पट्टा दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम खिरसाडोह के किशन परते ने वृध्दा पेंशन, गरीबीरेखा का कार्ड बनाने व इलाज के लिये आर्थिक सहायता दिलाने, ग्राम बोदलकछार की श्रीमती सरोज बाई व ग्राम जमुनिया की श्रीमती नवीता ने जमीन का पट्टा दिलाने, बड़कुही वार्ड नंबर-04 की श्रीमती गीता बरूआ ने एन.पी.एस. की राशि दिलाने, बड़कुही के पुरानी बस्ती के वार्ड नंबर-13 की श्रीमती सुनीता ने भूमि का सीमांकन करने, ग्राम पंचायत सालई छिन्दी के ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सीसी नाली निर्माण करने, ग्राम धमनिया के विनोद ग्वालवंशी ने ग्राम में नल-जल योजना एवं रबी की फसल के लिये सिंचाई की समस्या दूर कराने, ग्राम लोनिया के योगेश्वर निम्बालकर ने गरीबीरेखा सूची में नाम दर्ज करने, ग्राम गुमतरा के संतोष ने आवासीय भूमि का पट्टा दिलाने एवं छिंदवाड़ा नगर के गुलाबरा के निवासी सत्यम कराड़े ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, आवेदनों पर सुनवाई की गई,

राज्य बैडमिंटन स्पर्धा में राकेश ने हासिल किया कांस्य पदक

छिंदवाड़ा। स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा नर्मदा पुरम में राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 14से16जून तक किया गया ।प्रतियोगिता में इंदौर ,भोपाल, ग्वालियर, सागर ,रीवा ,शहडोल ,उज्जैन ,आदिवासी विकास, जबलपुर सहित नर्मदापुरम संभाग के 200 खिलाड़ी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।इस प्रतियोगिता मे पीएम श्री एमएलबी स्कूल छिंदवाड़ा में कार्यरत क्रीड़ा प्रभारी राकेश चौरसिया ने जबलपुर संभाग टीम की ओर से खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर शहडोल, सागर ,नर्मदापुरम ,ग्वालियर, रीवा को पराजित करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण अवसर पर नर्मदापुरम संयुक्त संचालक श्रीमती भावना दुबे ,लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल आयोजन समिति अध्यक्ष शैलेश शुक्ला, संभागीय क्रीड़ा अधिकारी गजेंद्र सुराजिया सहित विभागीय अधिकारियों द्वारा ट्रॉफी मेडल , प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर श्री चौरसिया को सम्मानित किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग छिंदवाड़ा को मिली इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी एस बघेल ,सहायक संचालक डी पी डेहरिया ,पी एल मेश्राम, सहायक परियोजना समन्वयक गिरीश शर्मा,प्राचार्य श्रीमती अलका श्रीवास्तव ,बीईओअशरफ अली ,प्रताप ईवनाती, आशालता माहुले, बीआर सी अजय केकतपूरे संगीत जैन ,डीपीसी भानु गुमास्ता ,प्राचार्य अजय शर्मा, सी के खादीकर, सुधीर मिश्रा ,रविंद्र नाग सहित खेल शिक्षकों एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

ग्रामीण रंग पर्यटन उत्सव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ग्रामीण पर्यटन केंद्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव के अंतर्गत विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर, कलाकारों के साथ सेल्फी ली।

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीयकुशाभाऊ ठाकरे कनवेंशन परिसर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, अल्पसंख्यक मंत्री कृष्णा गौर, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव में पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया।

'सृजन' के तहत दिया बच्चों व महिलाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए मार्गदर्शन

भोपाल। प्रदेश पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत शहरी बस्तियों में रहने वाले किशोरों के लिए संचालित सृजन-थाना मिसरोद -बागसेवनिया कार्यक्रम का समापन समारोह विज्ञान भवन में आयोजित किया। इसमें किशोर एवं पालकों सहित 235 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए । यह कार्यक्रम एक 19 दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर का समापन था जिसमें मोटिवेशनल सत्र, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित कानून, करियर मार्गदर्शन व व्यावसायिक कौशल, आत्मरक्षा एवं अन्य व्यक्तित्व विकास के तत्वों पर विशेष ध्यान दिया गया। 'सृजन' पहल का उद्देश्य वंचित किशोरों एवं किशोरियों को आत्मरक्षा, लैंगिक समानता, नेतृत्व क्षमता और कानूनी जागरूकता जैसी आवश्यक क्षमताओं से सशक्त बनाना है। एक समग्र सशक्तीकरण कार्यक्रम है जिसे किशोर और किशोरियों को,अपने समुदायों में आगे बढ़ने और बदलाव लाने की दिशा में आत्मविश्वास और कौशल से परिपूर्ण करनेहेतु प्रारंभ किया गया है । यह कार्यक्रम बाल विवाह, शाला त्यागी , बाल श्रम और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक समस्याओं को सीधे संबोधित करता है, जिससे प्रतिभागी एक सुरक्षित और न्यायसंगत भविष्य की कल्पना कर सकें।

सृजन कार्यक्रम का 16 जिलों में हो चुका विस्तार

थाना प्रभारी मनीषराज सिंह ने बच्चों से संवाद कर उनकी जिज्ञासा की सराहना की। डॉ लिज़ी थॉमस ने बताया कि सृजन कार्यक्रम का विस्तार मध्य प्रदेश के अन्य 16 जिलों मे हो चुका है जहां 24 स्थानों पर पुलिस विभाग एवं सामाजिक संस्थाओं के सामूहिक प्रयास से संचालित किये गए हैं। उन्होंने बताया कि सृजन थाना मिसरोद एवं बागसेवनिया को सर्वपल्ली राधा कृष्णन (एसआरके) यूनिवर्सिटी द्वारा स्पॉन्सर किया गया एवं पुलिस विभाग के सहयोग द्वारा यह संभव हो पाया । बच्चों को कानून, बाल अधिकारों और महत्ता पर जागरूक किया गया। मार्शल आर्ट्स की प्रस्तुति रवि के निर्देशन में दी गई। किशोरियों ने मंच पर आकर अपने जीवन में आए बदलाव की प्रेरणादायक कहानियां साझा की। दीपिका अरिवार ने जेंडर, अरचिता गिरी ने आत्मरक्षा और नेतृत्व विकास में मिले अनुभव साझा किए। समर खान ने अपनी ही बहन का उदाहरण देकर बताया कि किस प्रकार बालिकाओं का शिक्षा से जुड़ना जरूरी है। सभी प्रशिक्षकों एवं सहभागियों को सर्टिफिकेट वितरण कर सम्मानित किया गया। जय सिंह तोमर, विनीत, अनिल कोठारी, महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, पुलिस उपायुक्त जोन -2 डॉ संजय अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर यूनिसेफ कॉन्सलटेंट अमरजीत सिंह , पुलिस विभाग से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महावीर मुजालदे, सूबेदार , ऋतुराज वरिया , उप निरीक्षक अमित शर्मा, ऊर्जा प्रभारी मिसरोद श्वेता, प्रशिक्षक आरक्षक गोविंद पाल ,आरक्षक धीरज मेहरा , सृजन मार्शल आर्ट ट्रेनर रवि व अंशु राजावात एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिला विधिक प्राधिकरण अधिकारी वी एन तिवारी एवं आई टी आई से ट्रेनिंग ऑफिसर कोमिला, यूथ फेसिलिटेटर तरुण व सोनिया एवं अन्य सृजन मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे ।

सोनम की साजिश से उठता परदा, इंदौर में मेघालय पुलिस को मिले चौंकाने वाले सुराग

भोपाल। इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में अब जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। इस बहुचर्चित केस में अब शिलॉन्ग से आई मेघालय पुलिस की टीम ने इंदौर पहुंचकर राजा के घरवालों से बातचीत की। तीन सदस्यों की यह टीम मंगलवार को राजा के निवास पर पहुंची और करीब 30 मिनट तक पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों ने राजा रघुवंशी की मां और दोनों भाइयों से विस्तार से सवाल किए। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने खासतौर पर सोनम के विवाह के बाद के व्यवहार और उसके पारिवारिक संबंधों पर फोकस किया। अधिकारियों ने यह भी जानना चाहा कि शादी के बाद वह कितने दिन तक ससुराल में रही।

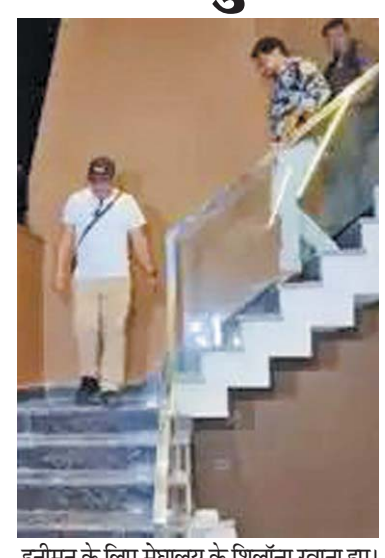

सोनम के चार दिन के प्रवास पर भी हुई चर्चा- राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने मीडिया को बताया कि शिलॉन्ग से आई टीम ने उनसे सोनम के व्यवहार को लेकर प्रश्न किए। पुलिस इस बात को लेकर उत्सुक थी कि सोनम ने शादी के बाद परिवार के साथ किस तरह का व्यवहार किया और वह कितने समय तक घर पर रही। उन्होंने बताया कि वह मात्र चार दिन ही ससुराल में रही और उसके बाद इंदौर छोड़ दिया।

पारिवारिक रिश्तों को लेकर हुई पड़ताल- पूछताछ के दौरान पुलिस ने राजा और सोनम के रिश्ते की प्रकृति, पारिवारिक तालमेल और राजा के स्वभाव को लेकर भी प्रश्न पूछे। टीम ने परिवार से वह तमाम बातें जानने की कोशिश की जो इस हत्या के पीछे की पृष्ठभूमि को स्पष्ट कर सकें।

राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हुई जांच एजेंसियां- इस जांच के साथ यह साफ हो गया है कि अब केस की गंभीरता को देखते हुए राज्य स्तर की सीमाएं टूट रही हैं। दूसरे राज्यों की एजेंसियां भी इस केस को लेकर गंभीर हो गई हैं और समन्वय के साथ जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

हत्या की पृष्ठभूमि और घटनाक्रम- राजा और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। शादी के 9 दिन बाद यानी 20 मई को दोनों हनीमून के लिए मेघालय के शिलॉन्ग रवाना हुए। 23 मई को दोनों संदिग्ध रूप से लापता हो गए और 2 जून को राजा का शव एक जलप्रपात के पास से मिला। इस मामले में अब तक सोनम समेत पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पूर्व नियोजित थी हत्या, पुलिस का दावा- अब तक की जांच में सामने आया है कि यह हत्या कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि पहले से योजना बनाकर की गई साजिश थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में सोनम का कथित प्रेमी राज कुशवाहा और उसके तीन साथी – विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत शामिल हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है।

घटनास्थल पर कराया गया सीन रिक्रिएशन- मंगलवार को पुलिस टीम सभी आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर गई और पूरे मर्डर सीन को रिक्रिएट किया। पूछताछ में तीनों पुरुष आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। जानकारी के अनुसार, सोनम और राज ने मिलकर राजा को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी, ताकि वे एक साथ जीवन बिता सकें।

राजा रघुवंशी से पहले धार में होने वाली थी सोनम की शादी, ज्योतिष से टल गई

भोपाल। इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में नामजद सोनम को लेकर एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। अब इस केस की कड़ियाँ मध्यप्रदेश के धार जिले से भी जुड़ गई हैं। पता चला है कि सोनम की शादी की बात धार में एक कारोबारी परिवार से चल रही थी। करीब डेढ़ साल पहले धार के नानेवाड़ी क्षेत्र में रहने वाले व्यवसायी हरीश रघुवंशी के बेटे मयंक रघुवंशी के लिए सोनम का रिश्ता आया था। यह रिश्ता मयंक के मामा के माध्यम से आया था। मयंक के परिवार ने जब सोनम के साथ विवाह के विषय में विचार किया,

तो दोनों की कुंडलियाँ भी मिलाई गईं, जिसमें 25 गुण मेल खाते पाए गए।

ज्योतिषाचार्य की चेतावनी ने बदल दिया फैसला- गुण मिलान के बाद शादी लगभग तय मानी जा रही थी, लेकिन अंतिम निर्णय से पहले परिवार ने एक ज्योतिषाचार्य से परामर्श किया। ज्योतिषाचार्य ने चेताया कि यह रिश्ता आगे चलकर गंभीर मुसीबतों का कारण बन सकता है और टिकाऊ नहीं रहेगा। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए मयंक के परिवार ने यह रिश्ता खारिज कर दिया।

भगवान का शुक्रिया अदा कर रहा परिवार- जब राजा रघुवंशी मर्डर केस में सोनम का नाम उजागर हुआ, तो मयंक के परिवार को राहत की सांस मिली। परिवार ने कहा कि समय पर लिए गए फैसले और ज्योतिषाचार्य की सलाह ने उन्हें एक बड़ी मुसीबत से बचा लिया। उन्होंने भगवान को धन्यवाद देते हुए कहा कि सही समय पर चेतावनी मिलना किसी वरदान से कम नहीं था।